www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 अमेरिका से टैरिफ विवाद के बीच पीएम मोदी का स्वदेशी पर जोर

रूस के कामचटका में 600 साल बाद ज्वालामुखी फटा 06

वर्ष :17 | अंक :124 | प्रयागराज , सोमवार 04 अगस्त 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

शिवकुमार ने रेवन्ना की उम्रकैद पर भाजपा-जद(एस) नेताओं की चुप्पी को लेकर सवाल उठाए

जिस मामले में प्रज्वल को सजा सुनाई गई वह 48 वर्षीय एक महिला से संबंधित है, जो हासन जिले के होलेनरसीपुरा स्थित परिवार के गन्निकाडा फार्महाउस में घरेलू सहायिका के रूप में काम करती थी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने दुष्कर्म के एक मामले में जनता दल (सेक्युलर) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के संबंध में जद (एस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाया। विशेष अदालत ने जद (एस) के संरक्षक एच.डी. देवेगौड़ा के पोते रेवन्ना (34) को बलात्कार के एक मामले में शनिवार को उसके शेष जीवन के लिए कारावास की सजा सुनाई।नयी दिल्ली में शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा कि जद(एस) नेता और उनके गठबंधन सहयोगी भाजपा ही प्रज्वल रेवन्ना मुद्दे पर टिप्पणी करने में सक्षम हैं, और उन्होंने सवाल किया कि वे क्यों नहीं बोल रहे हैं।

साइबर ठगी का शिकार होने के बाद डीयू के छात्र ने की आत्महत्या

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के 19 वर्षीय छात्र ने मोबाइल फोन खरीदने की कोशिश करते समय ऑनलाइन धोखाधड़ी में 94,000 रुपये गंवाने के बाद यहां रोहिणी इलाके में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। महेश राणा 14 जुलाई को उत्तरी दिल्ली स्थित अपने घर से लापता हो गया था। उसका शव 16 जुलाई को बेगमपुर जल शोधन संयंत्र के पास मिला। पुलिस के मुताबिक, राणा ने अपनी मां को संदेश भेजकर बताया था कि उसके साथ साइबर धोखाधड़ी हुई है और वह घर छोड़कर जा रहा है। इसके बाद उन्होंने पुलिस से संपर्क किया। राणा डीयू के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग में बी.कॉम (ऑनर्स) द्वितीय वर्ष का छात्र था। उसने ठगों को कई बार में राशि अंतरित की थी लेकिन उसे मोबाइल फोन नहीं मिला। पुलिस को 16 जुलाई को उसका शव मिला और उसने फोटो सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसके बाद 19 जुलाई को उसकी पहचान हो सकी। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

गोंडा में बड़ा हादसा, बोलेरो बेकाबू होकर नहर में गिरी, 11 की मौत 04 घायल

गाड़ी में छटपटाते रहे, बाहर नहीं निकल पाए; एक परिवार के 9 लोग

बड़ा हादसा

हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस ने तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। गोंडा के विनीत जायसवाल ने बताया, 'बचाव दल ने 4 लोगों को, जिसमें 2 बच्चे और ड्राइवर शामिल हैं, सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।' पुलिस ने नहर से 11 शव बरामद किए हैं, जिन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शुरूआती जांच में हादसे की मुख्य वजह ओवरलोडिंग बताई जा रही है।

एजेंसी

सीएम योगी ने जताया दुख

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोंडा में हुये हादसे का संज्ञान लिया है। सीएम ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है, उन्होंने इस हादसे पर दुख जताया है। इतना ही नहीं उन्होंने अधिकारियों को मौके पर पहुंच राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। उन्होंने कहा है कि जनपद गोण्डा में दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। इस दुर्घटना में दिवंगत हुए लोगों के परिजनों को ?05-05 लाख की आर्थिक सहायता प्रदान करने तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

गोण्डा : उत्तर-प्रदेश में गोण्डा जिले के इटियाथोक थानाक्षेत्र के बेलवा बहुला गांव के पास रविवार सुबह सरयू नहर में श्रद्धालुओं से भरी एक जीप के अनियन्त्रित होकर पलट जाने से ग्यारह लोगों की मृत्यु हो गयी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुर्घटना पर दुःख प्रकट करते हुये मृतकों के परिजनों के लिये पांच-पांच लाख की धनराशि का ऐलान किया और पीड़ित परिवारों की त्वरित सहायता के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं। इस दुर्घटना के एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि सुबह से ही बारिश होने के कारण सड़क पर फिसलन थी। उन्होंने कहा, एसयूवी नहर के बगल में बनी सड़क पर जा रहा था उसी बीच चालक ने ब्रेक लगाया जिससे गाड़ी फिसल करके नहर में जा गिरी। तत्काल पुलिस को फोन करके गांव के लोगों को मौके पर बुलाया और रस्सी के सहारे एसयूवी को बाहर निकाला। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल के अनुसार, रविवार की सुबह मोतीगंज थानाक्षेत्र के सीहागांव के रहने वाले प्रहलाद अपने परिजनों व अन्य संग खरगूपुर क्षेत्र में स्थित बाबा पृथ्वीनाथ मंदिर में जलाभिषेक करने जीप में सवार होकर जा रहे थे। रास्ते में इटियाथोक थानाक्षेत्र के बेलवा बहुला गांव के पास सरयू नहर में अचानक अनियन्त्रित होकर जीप पलट गयी। घटना में एक ही परिवार के नौ लोगों समेत ग्यारह श्रद्धालुओं की डूबने से मृत्यु हो गयी जबकि चार अन्य को बाहर निकलवाकर अस्पताल उपचार के लिये भेज दिया गया है।

पीड़ितों के लिए पीएम मोदी का ऐलान, मृतकों के परिजनों मिलेगा 2 लाख मुआवजा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोंडा हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिवार को 2 लाख रुपये दिए जाएंगे। इसके साथ ही, इस दुर्घटना में घायल हुए लोगों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

श्रीनगर एयरपोर्ट पर 9 किलो अतिरिक्त सामान को लेकर बवाल, सैन्य अधिकारी ने कर्मचारियों को बेरहमी से पीटा

सैन्य अधिकारी और स्पाइसजेट के कर्मचारी पर मामला दर्ज

श्रीनगर एयरपोर्ट पर अतिरिक्त सामान को लेकर हुए विवाद में एक सैन्य अधिकारी ने स्पाइसजेट के कर्मचारियों पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में कर्मचारियों को गंभीर चोटें आईं और अधिकारी ने सुरक्षा नियमों का भी उल्लंघन किया, जिसके बाद केस दर्ज की गई है। स्पाइसजेट ने अधिकारी को 'नो-फ्लाई सूची' में डालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और सेना भी मामले की जांच कर रही है।

एजेंसी

श्रीनगर हवाई अड्डे पर एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक सैन्य अधिकारी पर स्पाइसजेट के चार कर्मचारियों पर जानलेवा हमला करने का आरोप है। इस हमले में कर्मचारियों को रीढ की हड्डी में फ्रैक्चर और अन्य गंभीर चोटें आई हैं। यह घटना अतिरिक्त सामान को लेकर हुए विवाद के बाद हुई।

क्या है पूरा मामला?

यह घटना 26 जुलाई, 2025 को श्रीनगर से दिल्ली जाने वाली उडान रऋ-386 के बोर्डिंग गेट पर हुई। विवाद की वजह जो सामने आई है, वो यह कि सैन्य अधिकारी दो हैंड बैगेज ले जा रहे थे, जिनका कुल वजन 16 किलो था, जबकि नियम के अनुसार केवल 7 किलो की अनुमति है। जब एयरलाइन कर्मचारियों ने उन्हें अतिरिक्त सामान के बारे में बताया और शुल्क भरने को कहा, तो वे भडक गए। अधिकारी ने न सिर्फ शुल्क देने से इनकार किया, बल्कि कर्मचारियों पर बार-बार घूंसे और लातें बरसाईं। एक कर्मचारी को इतनी बुरी तरह पीटा गया कि वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गया, लेकिन अधिकारी उसे लगातार मारता रहा। एक अन्य कर्मचारी को भी जबडे पर लात लगी, जिससे उसकी नाक और मुंह से खून बहने लगा। इस दौरान एक कर्मचारी बेहोश हो गया, लेकिन उसे लगातार लात मारी गई. एक अन्य कर्मचारी को अपने सहयोगी की मदद करते समय हुए हमले में जबड़े की हड्डी टूटने सहित चेहरे पर गंभीर चोटें आईं. प्रवक्ता ने कहा, हवाई अड्डे पर चिकित्सा टीमों ने घायल कर्मचारियों को अस्पताल ले जाने से पहले प्राथमिक उपचार किया. एक कर्मचारी की रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर होने की खबर है।

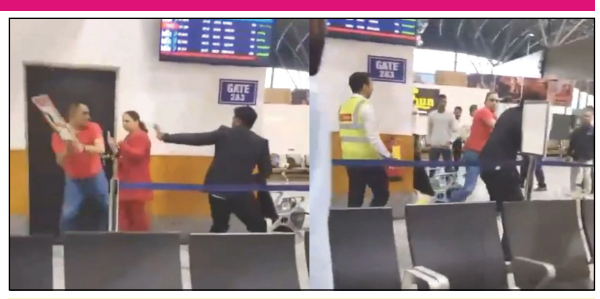

एयरलाइन ने आधिकारिक बयान में क्या कहा?

स्पाइसजेट के आधिकारिक बयान के अनुसार, बोर्डिंग गेट पर स्थिति जल्द ही हिंसक हो गई. एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा, यात्री ने हमारे कर्मचारियों पर घूंसों, लातों और यहां तक कि कतार में खड़े होने वाले स्टैंड को हथियार की तरह इस्तेमाल करके गंभीर हमला किया.

चुनाव आयोग को लेकर जनता में संदेह :कांग्रेस नेता

सरकार संसद में चर्चा से भाग रही; क्या ये चुनावों में गड़बड़ी को छिपाने की कोशिश

गोगोई ने ऑपरेशन सिंदूर पर कहा कि गृहमंत्री अमित शाह ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के प्रति न तो संवेदना जताई और न ही खुफिया विफलता की जिम्मेदारी ली, जो उनके मंत्रालय के अधीन है।

एजेंसी

नई दिल्ली , लोकसभा में विपक्ष के उप नेता और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने रविवार को चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि विपक्ष चाहता है कि मतदाता सूची में संशोधन को लेकर संसद में खुलकर चर्चा हो, लेकिन सरकार इसे टाल रही है। असम कांग्रेस की कार्यकारिणी बैठक से पहले मीडिया से गोगोई ने कहा कि आज जनता के मन में चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर संदेह है। सरकार इस पर चर्चा से क्यों भाग रही है? क्या यह बीते विधानसभा और लोकसभा चुनावों में की गई किसी गड़बड़ी को छिपाने की कोशिश है? वहीं, जब कांग्रेस नेता से पूछा गया कि सरकार का तर्क है कि चुनाव आयोग किसी विभाग के अंतर्गत नहीं आता, इसलिए इस पर चर्चा नहीं हो सकती। गोगोई बोले- ये बेतुकी बाते हैं, मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति प्रधानमंत्री और सरकार करती है, ऐसे में जवाबदेही भी बनती है।' कांग्रेस की आगामी रणनीति पर विस्तार से चर्चा हो रही है।

दो वोटर आईडी कार्ड का आरोप, तेजस्वी यादव से चुनाव आयोग ने मांगी सफाई

मतदाता सूची से नाम गायब होने का आरोप लगाया था

एजेंसी

तेजस्वी यादव के मतदाता पहचान पत्र पर विवाद गहराया है। नाम सूची से हटने के उनके दावे को चुनाव आयोग ने खारिज किया। अब, भाजपा के 'दो आईडी' आरोप पर, आयोग ने तेजस्वी से दूसरे संदिग्ध ईपीआईसी नंबर का सबूत मांगा है।

चुनाव आयोग ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव से उनके उस दावे का सबूत मांगा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनका नाम बिहार की मतदाता सूची से हटा दिया गया है। आयोग ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी द्वारा बताए गए मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) नंबर की जानकारी मांगी है।

चुनाव आयोग का नोटिस

चुनाव आयोग ने तेजस्वी यादव के दावे को तुरंत खारिज करते हुए कहा कि उनका नाम मसौदा मतदाता सूची में मौजूद था। आयोग ने उन्हें भेजे गए नोटिस में स्पष्ट किया कि उनका नाम मतदान केंद्र संख्या 204 में क्रम संख्या 416 पर अंकित है, जिसका ईपीआईसी नंबर आरएबी0456228 है। यादव को भेजे गए नोटिस में चुनाव आयोग ने कहा, 'यह सूचित किया जाता है कि 02.08.2025 को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में आपने कहा था कि आपका नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची में नहीं है। जाँच के बाद पाया गया कि आपका नाम मतदान केंद्र संख्या 204 (बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के पुस्तकालय भवन) के क्रमांक 416 पर अंकित है, जिसका एपीआईसी नंबर आरएबी0456228 है।'चुनाव आयोग ने आगे कहा, 'आपके प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिए गए बयान के अनुसार, आपका एपीआईसी नंबर आरएबी2916120 है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, एपीआईसी नंबर आरएबी2916120 आधिकारिक रूप से जारी नहीं किया गया प्रतीत होता है।

अन्नाद्रमुक के सच्चे कार्यकर्ता भाजपा गठबंधन से नाखुश: मुख्यमंत्री स्टालिन

स्टालिन ने आरोप लगाया, विपक्ष के नेता (पलानीस्वामी) जिनके कोई मूल सिद्धांत नहीं है दिल्ली तक गए, भाजपा के सामने घुटने टेके और गठबंधन बनाया। यहां तक कि अन्नाद्रमुक का सच्चा कार्यकर्ता भी इससे नाखुश है।

एजेंसी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं सत्तारूढ़ द्रविड मुनेष कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम के स्टालिन ने रविवार को प्रतिद्वंद्वी दल अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ नए सिरे से गठबंधन करने के लिए निशाना साधा और दावा किया कि पार्टी के सच्चे कार्यकर्ता गठबंधन से खुश नहीं हैं। स्टालिन ने आरोप लगाया कि केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा ने तमिलनाडु को धोखा दिया और इसके बावजूद अन्नाद्रमुक प्रमुख के. पलानीस्वामी ने 2026 के विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा के साथ गठबंधन किया और अब अपने राज्यव्यापी अभियान के दौरान झूठ फैला रहे हैं।

दिल्ली पुलिस ने बांग्ला को बांग्लादेशी भाषा कहा

टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी बोले- ये गलती नहीं, भाजपा की साजिश है

इस लेटर पर सवाल उठाते हुए टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने रविवार को "पर कहा- दिल्ली पुलिस की यह कोई छोटी-मोटी गलती नहीं है। यह भाजपा की बंगाल को बदनाम करने, हमारी सांस्कृतिक पहचान को कमजोर करने और बंगाल को बांग्लादेश से जोड़कर राजनीतिक फायदा उठाने की एक सोची-समझी साजिश है।

एजेंसी

नई दिल्ली ,दिल्ली पुलिस ने 29 जुलाई को बंगा भवन को लिखे एक सरकारी लेटर में बांग्ला भाषा को बांग्लादेशी भाषा बताया। इसमें लिखा था, 'अवैध रूप से भारत में रह रहे 8 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से बरामद डॉक्यूमेंट्स बांग्लादेशी भाषा में हैं। ऐसे में आगे की जांच के लिए बांग्लादेशी राष्ट्रीय भाषा का एक आधिकारिक अनुवादक उपलब्ध कराएं।'अभिषेक ने लिखा- यह संविधान के आर्टिकल 343 और 8वीं अनुसूची का उल्लंघन है। 'बांग्लादेशी' नाम की कोई भाषा नहीं है। बांग्ला को विदेशी भाषा कहना सिर्फ अपमान नहीं है। बल्कि यह हमारी पहचान, संस्कृति और अपनेपन पर हमला है। बंगाली अपने ही देश में बाहरी नहीं हैं। भाजपा बांग्ला विरोधी है: पिछले कई महीनों से भाजपा शासित राज्यों में बांग्ला भाषी लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्हें परेशान किया जा रहा है और हिरासत में लिया जा रहा है। इस वजह से हम भाजपा को बांग्ला विरोधी और जमीनदारी सोच वाली पार्टी कहते हैं। इन्हें भारत की विविधता का कोई सम्मान नहीं है। ये सिर्फ नफरत फैलाकर राजनीति करना जानते हैं। दिल्ली पुलिस-भाजपा माफी मांगे: जांच अधिकारी अमित दत्त को तुरंत सस्पेंड किया जाए। साथ ही दिल्ली पुलिस, भाजपा और गृह मंत्रालय (जिसके मुखिया अमित शाह हैं) जनता से औपचारिक माफी मांगे।

उच्च न्यायालय का गाजियाबाद में मकानों के ध्वस्तीकरण के नोटिस पर यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश

पीठ ने 31 जुलाई के आदेश में कहा, इस मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए हम यह भी पाते हैं कि इस बात में कोई विवाद नहीं है कि याचिकाकर्ता पिछले 40-50 साल से उस स्थान पर काबिज हैं।

एजेंसी

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मकानों को ध्वस्त करने के गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) के नोटिस के मामले में यथास्थिति बनाए रखने का जीडीए को निर्देश दिया है। यह आदेश पारित करते हुए अदालत ने याचिकाकर्ताओं को किसी तीसरे पक्ष का हित करने या विवादित संपत्ति पर कोई विकास करने से भी रोक दिया है। नरेश कुमार और 18 अन्य लोगों की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने प्रतिवादियों- जिला प्रशासन और जीडीए को पुराने बाशिंदों के पुनर्वास की योजना पेश करने का समय देते हुए अगली सुनवाई की तिथि 22 अगस्त निर्धारित की है। पीठ ने 31 जुलाई के आदेश में कहा, इस मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए हम यह भी पाते हैं कि इस बात में कोई विवाद नहीं है ।

बवाल संबित पात्रा बोले- यह जघन्य अपराध

तेजस्वी यादव की 'डबल पहचान' पर बवाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। बिहार में राजनीतिक विवाद तब गहरा गया, जब राजद नेता तेजस्वी यादव ने दावा किया कि बिहार की मतदाता सूची से उनका नाम हटा दिया गया है। उन्होंने इसे लोकतंत्र पर हमला बताया और चुनाव आयोग पर सवाल उठाए। हालांकि, उनके इस आरोप को चुनाव आयोग और पटना के डीएम ने तुरंत खारिज कर दिया। इस मामले में तब नया मोड़ आया जब तेजस्वी के दो अलग-अलग एपिक (इलेक्टोरल फोटो आइडेंटिटी कार्ड) नंबर सामने आए। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि 2020 के विधानसभा चुनाव में तेजस्वी ने जिस एपिक नंबर का इस्तेमाल किया था, वह आज भी मतदाता सूची में दर्ज है। वहीं, तेजस्वी ने अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में जो एपिक नंबर दिखाया, वह चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में नहीं है। इस खुलासे के बाद बीजेपी और एनडीए नेताओं ने तेजस्वी यादव पर तीखा हमला बोला है। बीजेपी सांसद संबित पात्रा ने कहा, तेजस्वी यादव झूठ बोल रहे हैं, उनका नाम और एपिक नंबर मौजूद है। पात्रा ने यह भी सवाल उठाया कि तेजस्वी के पास दो एपिक नंबर कैसे हो सकते हैं, और क्या उनके पास दो वोटर आईडी कार्ड हैं। उन्होंने इसे एक जघन्य अपराध बताते हुए चुनाव आयोग से इस मामले की गहन जांच करने और तेजस्वी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। इससे पहले तेजस्वी के दावे पर चुनाव आयोग ने इसे निराधार करार दिया कि उनका नाम ड्रॉफ्ट वोटर लिस्ट से गायब है. आयोग से जुड़े सूत्रों ने बताया कि दूसरे वोटर आईडी के पीछे की वास्तविकता को समझने के लिए जांच जारी है. इस बीच, चुनाव आयोग के सूत्रों ने कहा कि आरजेडी नेता तेजस्वी ने 2020 में अपना नामांकन पत्र भरने के लिए एपिक नंबर आरएबी 0456228 का इस्तेमाल किया. एक अधिकारी का कहना है, साल 2015 में भी वोटर लिस्ट में भी उनका यही मतदाता पहचान पत्र नंबर दर्ज था. इस मतदाता पहचान पत्र नंबर से उनका नाम ड्राफ्ट में भी मौजूद है.

बिहार में तेजस्वी यादव के मतदाता सूची से नाम हटने के दावे को चुनाव आयोग ने खारिज कर दिया, जबकि तेजस्वी ने एक और एपिक नंबर पेश किया जो रिकॉर्ड में नहीं है। बीजेपी ने इस मामले को 'जघन्य अपराध' बताते हुए तेजस्वी के खिलाफ चुनाव आयोग से गहन कार्रवाई की मांग की है।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर बवाल, मणिशंकर अय्यर बोले, थरूर की टीम पाकिस्तान को बेनकाब करने में नाकाम

'ऑपरेशन सिंदूर' पर विवाद, मणिशंकर अय्यर ने शशि थरूर पर निशाना साधा। अय्यर का आरोप है कि थरूर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने 33 देशों में पहलगाम हमले के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार नहीं ठहराया। 'ऑपरेशन सिंदूर' पहलगाम हमले के बाद भारत की पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई थी। अय्यर बोले, थरूर टीम विश्व को भारत का संदेश नहीं दे पाई।

एजेंसी

नयी दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाले 'ऑपरेशन सिंदूर' आउटरीच प्रतिनिधिमंडल पर एक नया विवाद खडा कर दिया है। अय्यर ने दावा किया है कि इस प्रतिनिधिमंडल ने दुनिया को भारत का संदेश ठीक से नहीं दिया। अय्यर ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि थरूर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जिन 33 देशों का दौरा किया, उनमें से किसी ने भी यह नहीं कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ था। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र या अमेरिका जैसे प्रमुख देशों ने भी इस पर कोई बयान नहीं दिया। अय्यर ने आरोप लगाते हुए कहा, 'शशि थरूर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने जिन 33 देशों का दौरा किया, उनमें से किसी ने भी यह नहीं कहा कि हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ है। संयुक्त राष्ट्र या अमेरिका ने भी ऐसा नहीं कहा। हम ही हैं जो अपनी छाती पीट रहे हैं और कह रहे हैं कि वास्तव में पाकिस्तान ही इसके लिए जिम्मेदार है।' 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने पहलगाम की बैसरन घाटी में एक आतंकवादी हमला किया था, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे।

सम्पादकीय

भारत पर दबाव की नीति से काम कर रहे ट्रंप, बयानों में देखने को मिले कई उतार-चढ़ाव

भारत ने हाल के वर्षों में अपने निर्यात के पक्ष को जिस तरह मजबूत किया है, उसमें इस तरह के अमेरिकी दबाव क्या व्यापार में सहयोग के बजाय एक प्रतिद्वंद्विता की बिसात बिछाने की कोशिश नहीं हैं? पिछले कुछ समय से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह अलग-अलग देशों पर शुल्क लगाने की बात कर रहे थे, उसे कई अर्थों में दबाव की रणनीति माना जा रहा था। मगर इस मसले पर अब उन्होंने जिस तरह के फैसले लेने शुरू कर दिए हैं, उससे साफ है कि मनमाने तरीके से शुल्क लगाने के फैसले का इस्तेमाल किसी देश की नीति को प्रभावित करने के लिए एक औजार के तौर पर किया जा रहा है। इस क्रम में ट्रंप बीते दिनों बार-बार यह कहते रहे कि वे भारत से आयात किए जाने वाले उत्पादों पर भारी शुल्क लगाएंगे। मगर उनके बयानों में जैसे उतार-चढ़ाव देखे गए, उसके मद्देनजर यह उम्मीद की जा रही थी कि वे अपनी जिद पर विचार करेंगे और भारत को लेकर उदार रुख अपनाएंगे। खासतौर पर इसलिए भी कि बीते कुछ वर्षों के दौरान भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों के नए दरवाजे खुले थे और थोड़ी सक्रियता बढ़ी थी। गौरतलब है कि व्यापार वार्ता के संदर्भ में अमेरिका और भारत के बीच जारी बातचीत में कुछ गतिरोध के संकेत सामने आने के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयात की जाने वाली वस्तुओं पर एक अगस्त से पच्चीस फीसद शुल्क और रूस से तेल खरीदने पर जुमार्ना लगाने की घोषणा कर दी। ट्रंप का फैसला कोई अचानक नहीं हालांकि यह कोई अचानक हुआ फैसला नहीं लगता है और ट्रंप ने इस बार सत्ता में आने के बाद से ही आयात पर शुल्क लगाने की घोषणाओं पर कुछ जगहों पर अमल करना शुरू कर दिया है। मसलन, कनाडा पर ट्रंप ने पैंतीस फीसद शुल्क लगाने की घोषणा कर दी थी, जबकि उस समय व्यापार वार्ता जारी थी और एक समझौता होने की उम्मीद थी। भारत पर भी पच्चीस फीसद शुल्क तब लगाने की बात कही गई, जब अमेरिका के साथ द्विपक्षीय अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर अंतिम दौर की कोशिशें जारी थीं। निर्वाचन आयोग की ओर से तय किए गए नागरिकता प्रमाण पत्र को लेकर सबसे बड़ा विवाद उल्लेखनीय है कि अमेरिका के वाताकारों का एक समूह पच्चीस अगस्त को भारत के दौरे पर आने वाला है जो प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत के अगले दौर में हिस्सा लेगा। सवाल है कि व्यापार वार्ता के प्रयास जारी रहने और उसके निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति को शुल्क लगाने की घोषणा करने की जल्दबाजी करने की जरूरत क्यों लगी। क्या इस फैसले को व्यापार वार्ता में अपने हित में नीतिगत फैसले लेने के लिए दबाव बनाने की रणनीति नहीं माना जाएगा? ट्रंप की ताजा घोषणा से कुछ अन्य देशों के मुकाबले भारत पर कम असर पड़ेगा एक दलील यह दी गई है

आज का विचार

मेहनत

वो सुनहरी चाबी है
जो बंद भविष्य के
दरवाजे भी खोल देती है

भारत संवाद

अमेरिका से टैरिफ विवाद के बीच पीएम मोदी का स्वदेशी पर जोर

प्रधानमंत्री ने कोविड महामारी के समय आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी उत्पादों की खरीद पर जोर दिया था लेकिन बात बनी नहीं। स्वदेशी के मंत्र को महत्व दिया जाना चाहिए लेकिन समस्या यह है कि लोगों के समक्ष पर्याप्त संख्या में सही गुणवत्ता के स्वदेशी उत्पाद उपलब्ध नहीं हैं।

पा अमेरिका से टैरिफ विवाद और विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारत के खिलाफ विचित्र रवैये के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी में स्वदेशी की जो पक्षधरता की, वह सही तो है, लेकिन यह ध्यान रहे कि वे स्वदेशी उत्पाद खरीदने की अपील पहले भी कर चुके हैं और किन्हीं कारणों से स्वदेशी का मंत्र उतना अधिक प्रभावी नहीं दिखा, जितना अपेक्षित था। प्रधानमंत्री ने कोविड महामारी के समय आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी उत्पादों की खरीद पर जोर दिया था, लेकिन बात बनी नहीं। स्वदेशी के मंत्र को महत्व दिया जाना चाहिए, लेकिन समस्या यह है कि लोगों के समक्ष पर्याप्त संख्या में सही गुणवत्ता के स्वदेशी उत्पाद उपलब्ध नहीं हैं। स्वदेशी अपनाने का यह अर्थ नहीं हो सकता और न होना चाहिए कि लोग कम गुणवत्ता के भी उत्पाद खरीदने के लिए तैयार रहें। आज के इस युग में ऐसी अपेक्षा उचित नहीं। यदि लोग स्वदेशी की भावना से प्रेरित होकर देश में बने उत्पाद खरीदना भी चाहें तो अनेक ऐसे उत्पाद पर्याप्त मात्रा में बनते ही नहीं, जिनकी मांग बढ़ती चली जा रही है। इसका परिणाम यह है कि भारतीय बाजारों में चीनी वस्तुएं बढ़ती चली जा रही हैं। अब तो अनेक चीनी वस्तुओं की गुणवत्ता भी संतोषजनक होने लगी है और वे स्वदेशी भारतीय उत्पादों से कम मूल्य की भी होती हैं। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि एक बड़ी संख्या में भारतीय व्यापारी चीनी वस्तुओं का आयात करना अधिक पसंद करते हैं। चीन अभी भी दुनिया का कारखाना बना हुआ है। जैसे दुनिया के अन्य देश चीनी उत्पादों पर अपनी निर्भरता कम नहीं कर पा रहे हैं, वैसे ही भारत भी इस मामले में सक्षम नहीं। ऐसा क्यों हैं, इस पर हमारे नीति-नियंताओं को गंभीरता से विचार करना होगा। यह ठीक है कि प्रधानमंत्री और उनके सहयोगी कई बार स्वदेशी उत्पाद खरीदने की जरूरत जता चुके हैं, लेकिन क्या हमारे नौकरशाह इसके लिए तत्पर हैं कि भारतीय कारोबारी इस आवश्यकता की पूर्ति करने में सहायक बन सकें। यह ठीक नहीं कि प्रधानमंत्री जिस बात पर बार-बार बल दें और लोगों को याद दिलाएं कि त्योहारों और शादी के अवसर पर स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी करें, उस पर नौकरशाह अपने स्तर पर कुछ करते नजर न आएं। यह एक सच्चाई है कि कारोबारी सुगमता के तमाम दावों के बावजूद हमारी नौकरशाही लालफीताशाही से बाहर नहीं आ पा रही है। छोटे-बड़े व्यापारी इसकी शिकायत भी करते रहते हैं। यह सही है कि कारोबारियों को भी अपनी कमर कसनी होगी, लेकिन सरकार को तो यह सोचना ही होगा कि आखिर वियतनाम और इंडोनेशिया जैसे देश उत्पादकता एवं गुणवत्ता के मामले में भारत से आगे निकलते क्यों दिख रहे हैं? अमेरिका से टैरिफ विवाद और विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के भारत के खिलाफ विचित्र रवैये के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी में स्वदेशी की जो पक्षधरता की, वह सही तो है, लेकिन यह ध्यान रहे कि वे स्वदेशी उत्पाद खरीदने की अपील पहले भी कर चुके हैं और किन्हीं कारणों से स्वदेशी का मंत्र उतना अधिक प्रभावी नहीं दिखा, जितना अपेक्षित था। प्रधानमंत्री ने कोविड महामारी के समय आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी उत्पादों की खरीद पर जोर दिया था, लेकिन बात बनी नहीं। स्वदेशी के मंत्र को महत्व दिया जाना चाहिए, लेकिन समस्या यह है कि लोगों के समक्ष पर्याप्त संख्या में सही गुणवत्ता के स्वदेशी उत्पाद उपलब्ध नहीं हैं। स्वदेशी अपनाने का यह अर्थ नहीं हो सकता और न होना चाहिए कि लोग कम गुणवत्ता के भी उत्पाद खरीदने के लिए तैयार रहें। आज के इस युग में ऐसी अपेक्षा उचित नहीं। यदि लोग स्वदेशी की भावना से प्रेरित होकर देश में बने उत्पाद खरीदना भी चाहें तो अनेक ऐसे उत्पाद पर्याप्त मात्रा में बनते ही नहीं, जिनकी मांग बढ़ती चली जा रही है। इसका परिणाम यह है कि भारतीय बाजारों में चीनी वस्तुएं बढ़ती चली जा रही हैं।

राशिफल

मेष राशि: कार्यक्षेत्र में आपको अपने छोटे-छोटे कार्यों को पूरा करने के लिए उन लोगों की सहायता की जरूरत पड़ सकती है, जो आपके विरोध में खड़े रहते हैं। लेकिन अगर आप समझदारी और चतुराई से योजना बनाकर हर काम करते हैं

वृषभ राशि: आपको कार्यक्षेत्र में कुछ मुश्किलों और बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर एक साथ कई काम करने पड़ सकते हैं। इसी के चलते आपको प्रेशर भी महसूस होगा।

मिथुन राशि: आपका दिन मिलाजुला रहेगा। कार्यक्षेत्र में कामकाज सही गति से चलेगा और आपके ऊपर से काम का प्रेशर भी थोड़ा कम होगा। ऐसे में अपने निजी जीवन पर लंबे समय बाद आपको सोच-विचार करने का मौका मिलेगा। आने वाले कुछ मौकों को ध्यान में रखते हुए आपको अपने वस्त्र का ख्याल भी रखना होगा।

कर्क राशि : आपको कार्यक्षेत्र में एक साथ कई सारे काम करने पड़ सकते हैं। इसी के चलते आप ज्यादा व्यस्त रहेंगे और भागदौड़ में लगे रहेंगे। व्यापार के मामले में आपको किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जिसकी तैयारी करना भी जरूरी होगा। वहीं, अपने कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए आपको नए संपर्क बनाने होंगे और लोगों से मुलाकात करनी होगी।

सिंह राशि: व्यापार के मामले में आपका दिन भागदौड़ भरा रह सकता है और एक साथ कई काम पूरे करने पड़ सकते हैं। व्यापार में सकारात्मक दृष्टिकोण रखकर आगे बढ़ने से आपको लाभ प्राप्त होगा। इससे आपका कामकाज अच्छा चलेगा।

कन्या राशि: व्यापार के मामले में आपका दिन ज्यादा अच्छा नहीं रहने वाला है। आपको कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना बेहतर होगा। आर्थिक मामलों में भी जल्दबाजी दिखाने से बचें, अन्यथा नुकसान हो सकता है। आप अपने लव लाइफ पर आज ज्यादा ध्यान दे सकते हैं। परिवार के मामले में आपके प्रियजन किसी बात को लेकर आपसे नाराज हो सकते हैं।

तुला राशि: कार्यक्षेत्र में काम धंधा सामान्य गति से चलेगा। लेकिन आपको कोई भी जोखिम भरा कार्य करने या निर्णय लेने से बचना होगा। नौकरी करने वालों को आज किसी काम में सफलता मिल सकती है।

वृश्चिक राशि : आपको जीवन में कुछ बदलावों का सामना करना पड़ सकता है और कई उतार-चढ़ाव का अनुभव भी करेंगे। व्यापार के मामले में आपको संतुलन बनाए रखना होगा, अन्यथा हानि हो सकती है। कार्यस्थल पर आपको कुछ विरोधियों का सामना भी करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य पर भी खास ध्यान दें और परिवार में कटु वाणी के प्रयोग से बचें। ऐसा न करने से विपरीत स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

धनु राशि: दिन अच्छा रहने वाला है और आर्थिक मामलों में भी समय अनुकूल होगा। आपको कहीं से धन लाभ हो सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी करने वाले लोग अपने काम में व्यस्त रहेंगे और अपनी कमाई से कुछ चीजें खरीदने से आपको खुशी महसूस होगी।

मकर राशि: आप अपने करियर के बारे में गहराई से सोच सकते हैं और कारोबार को आगे बढ़ाने की योजनाएं भी बनाई जा सकती हैं। नौकरी करने वालों को किसी अच्छे काम का पुरस्कार प्राप्त हो सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

कुंभ राशि; कार्यक्षेत्र में विवाद उत्पन्न होने की संभावना बनी हुई है। ऐसे में आपको शांति और संयम बनाए रखना होगा। क्रोध करने से स्थिति बिगड़ सकती है। कार्यस्थल पर आप योजना बनाकर चलने से सभी कार्यों को समय पर पूरा कर सकते हैं।

मीन राशि: कार्यक्षेत्र में आपका दिन शुभ रहेगा और आपके मान-सम्मान में भी वृद्धि होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। अगर आप कार्यस्थल पर अपने प्रोजेक्ट या जरूरी कार्यों को गंभीरता से पूरा करते हैं, तो इससे उन्नति प्राप्त हो सकती है।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मानव द्वारा विकसित सर्वश्रेष्ठ तकनीक भी प्रकृति की सामान्य प्रक्रिया की बराबरी नहीं कर सकती – यह अब केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक रूप से सिद्ध सच्चाई है

इस क्रांतिकारी तथ्य को सिद्ध किया है विश्वप्रसिद्ध समुद्री वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार सोनकर ने, जिनका हालिया प्रयोग न केवल विज्ञान जगत में सनसनी फैला रहा है, बल्कि आधुनिक विज्ञान की मौजूदा सोच को झकझोर रहा है। सूक्ष्मजीवों और कोशकीय जीवविज्ञान के प्रसिद्ध वैज्ञानिक डा. अजय कुमार सोनकर ने लब्ध प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका इंफोफिश इंटरनेशनल में प्रकाशित हो रहे अपने एक ताजा शोध के विवरण में प्रकृति के इस रहस्य को उजागर किया है।

डॉ. सोनकर द्वारा अंडमान द्वीपसमूह में किया गया यह प्रयोग, INFOFISH Internationalमें मुख्य लेख के रूप में प्रकाशित हुआ है, और इसमें उन्होंने दो समूहों में समुद्री मोती उत्पादक सीपों को प्रयोगशाला दो प्रकार के वातावरण में पाल कर यह सिद्ध कर दिखाया कि जब एक समूह को अत्याधुनिक मानव निर्मित तकनीकों से सुसज्जित किया गया और दूसरे को केवल समुद्र की प्राकृतिक गोद का वातावरण दिया गया—तो जीत प्रकृति की हुई।उन्होंने बताया कि सीपों की दो प्रजातियों (पिंकटाडा मार्गेरिटीफेरा और टीरिया पेंग्विन) की सर्जरी के उपरांत उन्हें दो समूह में बांटकर अलग-अलग वातावरण में रखा गया। पहला वातावरण पूरी तरह से नियंत्रित वातावरण था जिसमें सटीक बायोफिल्ट्रेशन, यांत्रिक जल प्रवाह, वालन माध्यम में उगाई गई माइक्रोएल्गी (सीप का भोजन), नियंत्रित क्षारीय तत्वों की उपलब्धता और नियंत्रित तापमान तथा सीमित सूक्ष्मजीव संपर्क जैसे वातावरण को सृजित किया गया। दूसरे समूह को एक प्रारंभिक सर्जिकल रिकवरी के बाद, पूरी तरह से प्राकृतिक समुद्री लय के हवाले कर दिया गया। इस टैंक में गहराई से लिया गया अपरिष्कृत समुद्री जल निरंतर प्रवाहित किया गया। न कोई कृत्रिम फि ल्टर, न कोई रासायनिक पोषण। सिर्फ प्रकृति, जैसी वह है।

पद्मश्री पुरस्कार विजेता डा. सोनकर ने बताया कि नतीजे चौंकाने वाले थे। उन्होंने कहा कि जहाँ सर्वोत्तम वैज्ञानिक देखरेख दी गई, उसमें केवल 55 प्रतिशत जीवित रहने की दर दर्ज की गई, और तैयार मोतियों में से अधिकतर विकृत, धब्बेदार और कमजोर संरचना वाले थे। वहीं प्राकृतिक समुद्र के जटिल पारिस्थितिकी में विकसित हुए सीपों के दूसरे समूह उस वातावरण में मोती की संरचना कर रहे थे, जहाँ मूल निवासी सूक्ष्मजीव और लाभकारी फेज (बैक्टेरियोफेज)विद्यमान थे, उसमें 98 प्रतिशत जीवन प्रत्याशा और 119 मोती प्राप्त हुए। इनमें से लगभग 60 प्रतिशत मोती उच्चतम गुणवत्ता के थे।डॉ. सोनकर ने स्पष्ट किया कि यह मात्र परिणामों का अंतर नहीं था, यह एक विचारशील उद्घाटन था। उन्होंने इसके बारे में एक ही टिप्पणी की, कोई प्रयोगशाला, कोई सिमुलेशन, चाहे वह कितना भी उन्नत क्यों न हो, प्रकृति की समग्र बुद्धिमत्ता की बराबरी नहीं कर सकता।

डा. सोनकर ने कहा कि प्राकृतिक समुद्र ने एक स्व-संतुलित, रोग-प्रतिरोधक, और जैविक रूप से बुद्धिमान पारिस्थितिकी प्रदान की, जिसमें सूक्ष्मजीव विविधता, अदृश्य फेज, जीवंत शैवाल और सूक्ष्म भौ ?-रासायनिक संतुलन शामिल था।

उन्होंने कहा, जहाँ हमने फि ल्टर किया, वहाँ प्रकृति ने विविधता जोड़ी। जहाँ हमने नियंत्रित किया, वहाँ प्रकृति ने अनुकूलित व्यवहार किया। जहाँ हमने सब कुछ साफ किया, वहाँ प्रकृति ने प्रतिरक्षा शक्ति बढ़ाई।?

डॉ. अजय कुमार सोनकर की यह नई खोज, केवल मोती पालन तक सीमित नहीं रही, यह पूरे वैश्विक वैज्ञानिक दृष्टिकोण को चुनौती देती है। यह हमें यह सोचने को मजबूर करती है कि हमने अपनी ही प्रकृति से कितना विमुख होकर जीना शुरू कर दिया है, चाहे वह मिट्टी से रहित कृषि, प्राकृतिक संकेतों से कटे हुए शहर, या सैनिटाइज्ड डिजिटल बुलबुलों में पले बच्चे हों।

उन्होंने कहा, मेरे सीपों ने जो दिखाया, वह हमें फिर से याद करना होगा कि प्रकृति हमारी सहायक नहीं, वह हमारा स्रोत है। वह हमारी सबसे बड़ी इंजीनियर है।

उनके अनुसार, सीपों के दूसरे समूह में स्वाभाविक रूप से मौजूद रहे बैक्टीरियोफेज वही सूक्ष्म वायरस हैं जो जैव संतुलन बनाए रखने वाले संरक्षक हैं। उन्होंने कहा, ये फेज, रोग नहीं फैलाते, ये जीवन के सटीक उपकरण हैं, अदृश्य हैं लेकिन अनिवार्य हैं।

डॉ. सोनकर ने बताया कि सीपों के पहले समूह को विज्ञान ने उच्चतम कोटि नियंत्रित वातावरण दिया गया, लेकिन प्राकृतिक चुनौती, विविधता और जटिलता के बिना वे सीप पूरी तरह विकसित नहीं हो सके।

इस सनसनीखेज खोज ने वैश्विक वैज्ञानिक समुदाय को चौंका दिया है, और यह स्पष्ट कर दिया है कि टिकाऊ भविष्य की दिशा प्राकृतिक सहजीवन में ही छिपी है—निष्प्राण नियंत्रण में नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ सहयोगी सह अस्तित्व में भविष्य है।. प्रकृति हमारी सहायक नहीं है—वह हमारी जननी है, हमारी सच्ची इंजीनियर, डॉ. सोनकर ने जोर देकर कहा।डॉ. अजय कुमार सोनकर को उम्मीद है कि यह शोध महज एक तकनीकी सफलता के बजाय एक दार्शनिक जागरण बने, जो यह याद दिलाए कि प्रकृति की अनूठी बुद्धिमत्ता का आदर करना, आज सबसे बड़ी वैज्ञानिक जरूरत है। क्योंकि जब प्रकृति के हाथ ना बांधे जायें तो वह श्रेष्ठतम करती है, और वह हम सबसे कहीं आगे निकल जाती है।

ट्रंप टैरिफ की चुनौती को अवसर में बदल पाएगा भारत?

राजेश जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 20 से 25 प्रतिशत तक आयात शुल्क (टैरिफ) लगाने के संकेत दिए हैं। ट्रंप प्रशासन ने भारत को साफ तौर पर 1 अगस्त तक की समय सीमा दी है। अगर तब तक कोई व्यापार समझौता नहीं हुआ तो भारतीय उत्पादों पर 16 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स लगाया जाएगा। यह शुल्क पहले से लागू 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ के अलावा होगा, जिससे कुल शुल्क 30 प्रतिशत से अधिक हो सकता है।यह भारत जैसे विकासशील देश के लिए एक चेतावनी है। इसका सीधा असर भारत के निर्यात पर पड़ेगा—खासकर टेक्सटाइल, ऑटो पार्ट्स, जेम्स-ज्वेलरी और फार्मा सेक्टर पर। जब एक अमेरिकी ग्राहक भारतीय गारमेंट या फार्मा उत्पाद खरीदने की सोचेगा, तो उसे 25% ज्यादा कीमत चुकानी पड़ेगी। ऐसे में भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धा खो सकते हैं।उदाहरण के तौर पर भारत हर साल अमेरिका को लगभग 9 अरब डॉलर के कपड़े निर्यात करता है। ऐसे में अगर टैरिफ बढ़ गया, तो बांग्लादेश और वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धी देश इस मौके का फायदा उठा सकते हैं, क्योंकि अमेरिका ने उन्हें शुल्क रियायतें दे रखी हैं। यह टैरिफ संकट केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका असर निवेश पर भी पड़ सकता है। भारत की छवि अनिश्चित व्यापारिक वातावरण वाले देश की बन सकती है, जिससे संभावित विदेशी निवेशक हिचक सकते हैं।

भारत की रणनीति

भारत की ओर से संतुलन बनाने की कोशिशें जारी हैं। भारत चाहता है कि टैरिफ 10% से कम रखा जाए और बदले में अमेरिका को कुछ क्षेत्रों में रियायतें दी जाएं। हालांकि भारत ने स्पष्ट किया है कि वह कृषि और डेयरी क्षेत्र को विदेशी कंपनियों के लिए नहीं खोलेगा। अमेरिका लंबे समय से इन क्षेत्रों में प्रवेश चाहता रहा है लेकिन भारत का स्टैंड बिल्कुल साफ है कि अन्नदाता के हितों से कोई समझौता नहीं होगा। भारत गैर-कृषि क्षेत्रों में समझौते के लिए तैयार है और अमेरिका को यह भी प्रस्ताव दे चुका है कि यदि शुल्क घटाए जाते हैं तो भारत अमेरिकी औद्योगिक सामानों पर टैक्स पूरी तरह खत्म करने को तैयार है। इतना ही नहीं, भारत ने बोइंग से विमान खरीदने की संभावना भी जताई है ताकि व्यापार घाटा संतुलित हो सके।

संभावनाएं और उम्मीदें

इस बीच एक अच्छी खबर यह है कि अमेरिका की ट्रेड टीम 25 अगस्त को भारत आ रही है। उम्मीद है कि सितंबर-अक्टूबर तक दोनों देश एक अंतरिम व्यापार समझौते तक पहुंच सकते हैं। पिछली बैठक वॉशिंगटन में हुई थी, जहाँ भारत के मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल और अमेरिकी प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच ने विस्तृत चर्चा की थी। ट्रंप के हालिया बयान भारत पर राजनीतिक दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हो सकते हैं। उनका यह कहना कि ह्यअब मैं इंचार्ज हूं और यह सब खत्म होगाह्ण, संकेत देता है कि वह भारत को शीघ्र समझौते के लिए बाध्य करना चाहते हैं जबकि भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भी साफ किया है कि भारत किसी भी समझौते पर दबाव में हस्ताक्षर नहीं करेगा। भारत सिर्फ उन्हीं शर्तों पर समझौता करेगा जो देश के हित में हों और पूरी तरह से परखी गई हों।

संकट या अवसर?

यह संकट भारत के लिए एक अवसर भी है। यही समय है जब मेक इन इंडिया, पीएलआई स्कीम, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट जैसी योजनाओं को और मजबूत किया जाए। भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह टैरिफ संकट एक उत्प्रेरक की भूमिका निभा सकता है।

लोक सेवा राष्ट्र निर्माण की वह नीव है, जिस पर विकसित भारत का सपना टिका है

भारत संवाद

लखनऊः उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को ताज होटल, लखनऊ में आयोजित लोकसेवक सम्मान समारोह में सम्मिलित होकर संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में सफल प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों को सम्मानित कर सम्बोधित किया। कहा कि राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने को तत्पर इन युवाओं का उत्साह, दृष्टिकोण और समर्पण वास्तव में अत्यंत प्रेरणादायक है। कहा कि लोक सेवक सम्मान समारोह में सम्मिलित होकर उन्हे अत्यंत गर्व और आनंद की अनुभूति हो रही है।कहा कि यह लोक सेवकों के अदम्य समर्पण और उत्कृष्ट सेवाभाव का सम्मान करने का भी पावन क्षण है।लोक सेवा कोई साधारण कार्य नहीं है, यह राष्ट्र निर्माण की वह नींव है, जिस पर विकसित भारत का सपना टिका है।जिस प्रकार दीपक जलकर दूसरों को प्रकाश देता है, उसी तरह हमारे लोक सेवकगण अपने कार्यों से समाज में बदलाव की रोशनी फैलाते हैं। सम्मानित लोक सेवकों को बधाई देते हुये उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हर स्तर पर जो पारदर्शिता, उत्तरदायित्व और जन-कल्याण की भावना आप सभी में दिखती है, वही नए भारत के निर्माण की आधारशिला है। कहा कि आज सम्मानित हो रहे लोक सेवक सिर्फ सम्मान के पात्र ही नहीं हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा के स्रोत भी हैं। यह सम्मान न केवल व्यक्तियों का है, बल्कि यह सम्मान है उस 'कर्तव्य भावना' का, उस 'निष्ठा' का और उस 'जनसेवा के जज्बे' का, जो एक सच्चे लोक सेवक को परिभाषित करता है।

मंत्री नन्दी ने प्रयागराज में बाढ़ की विभीषिका का लिया जायजा

बाढ़ राहत केन्द्रों का निरीक्षण कर बाढ़ प्रभावित लोगों से वार्ता कर व्यवस्थाओं के बारे में पूछा

- बघाड़ा, सलोरी सहित अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण
- बाढ़ राहत केन्द्रों पर भोजन, पानी, बिजली, प्रकाश, साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था बनाये रखने के दिए निर्देश
- एलर्ट मोड पर रहें सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारी: नन्दी

भारत संवाद

प्रदेश के विभिन्न जनपदों के साथ ही प्रयागराज में बाढ़ की विभिषिका को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गठित टीम 11 के सदस्य उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने प्रयागराज के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। वहीं राहत शिविरों में जाकर बाढ़ प्रभावित लोगों से मुलाकात की एवं उनको दी जा रही सुविधाओं की गुणवत्ता की जांच की। मंत्री नन्दी ने सम्बंधित अधिकारियों को राहत शिविरों में पीने के पानी, भोजन, विद्युत, शौचालय, साफ-सफाई के साथ ही अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। वहीं बाढ़ पीड़ितों को आश्वस्त किया कि आपदा की इस घड़ी में डबल इंजन की सरकार उनके साथ है। मंत्री नन्दी रविवार को बक्शी बांध पहुंचकर वहां से मोटर बोट से दारागंज, बघाड़ा, सलोरी, गोविंदपुर सहित अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया। मंत्री नन्दी ने बाढ़ प्रभावित लोगो के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित किए जाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने बाढ़ की समस्याओं से निपटने के लिए सभी सम्बंधित विभागों को एलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार एवं प्रशासन की तरफ से बाढ़ से प्रभावित लोगों के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं की गयी हैं। कहा कि बाढ़ से प्रभावित लोगो की समस्याओं को सुनने व प्रशासन की ओर से की गयी व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी लेने के लिए ही वे बाढ़ से प्रभावित लोगो के बीच आयें है। मंत्री नन्दी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण करने के पश्चात कम्पोजिट स्कूल एलनगंज व रमा देवी गर्ल्स इण्टर कालेज-मीरापुर में बनाये गये बाढ़ राहत केन्द्रों का निरीक्षण किया तथा वहां पर रह रहे लोगो से बातचीत करते हुए उनसे व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। बाढ़ राहत केन्द्र में रह रहे लोगो से बाढ़ राहत केन्द्र में उन्हें मिल रहे चाय, नाश्ता, खाना, बच्चो के लिए दूध आदि की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली।

युद्ध स्तर पर राहत कार्य के लिए मंत्री नन्दी ने अधिकारियों को दिए ये निर्देश...

- सामाजिक संस्थाओं के साथ समन्वय बनाकर, कमेटी बनाकर राहत शिविरों में भोजन सामग्री को सुचारु बनाने का प्रयास किया जाए।
- सभी सलूज गेट बंद किये जाएं।
- बालू के बोरे पर्याप्त मात्रा में तैयार किये जाएँ।
- बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में पम्प चलते रहें।
- स्वास्थ्य विभाग की टीमें और एम्बुलेंस सभी राहत शिविरों में तैनात रहें।
- जलजमाव के कारण वायरल या मच्छरों से होने वाली बीमारियों की रोकथाम का अभियान चलाएं।

फास्ट ट्रैक

प्रोजेक्ट मिलन के तहत परिवार परामर्श केन्द्र मीरजापुर को मिली बड़ी सफलता, काउंसिलिंग के माध्यम से 06 बिछड़े दम्पत्तियों को मिलाया गया

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर के निर्देशन में जनपद में चलायें जा रहे प्रोजेक्ट मिलन में महिला परिवार परामर्श केन्द्र मीरजापुर को बड़ी सफलता मिली है। आज दिनांक 03.08.2025 को जनपद मीरजापुर के विभिन्न थाना क्षेत्रों के 06 बिछड़े दम्पत्तियों को परिवार परामर्श केन्द्र में हुई काउन्सिलिंग के माध्यम से एक साथ रहने हेतु राजी कर लिया गया। उक्त विवाहित दम्पत्ति विभिन्न कारणों से अलग-अलग रह रहे थे। परिवार परामर्श केन्द्र, मीरजापुर में प्रोजेक्ट मिलन काउंसिलिंग में होने वाली समस्त कार्यवाही के दौरान महिला उप निरीक्षक रीता यादव, महिला मुख्य आरक्षी-ममता तिवारी व सावित्री यादव एवं सदस्यगण डा0कृष्णा सिंह, सुरेश चन्द्र व ओपी सुनीता देवी मौजूद रहें। थाना कछवां पुलिस द्वारा जबरन वसुली, आपराधिक साजिश व धमकी के अभियोग से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त गिरफ्तार– थाना कछवां, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 19.08.2024 को वादी चन्द्रेश कुमार पुत्र सूयार्नारयाण निवासी गड़ौली करहरतारा थाना कछवां जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी से जबरन वसुली व धमकी देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना कछवां पर मु0अ0सं0-101/2024 धारा 351(2),308(5) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्माह्वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में थाना प्रभारी कछवां को अभियुक्तों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 03.08.2025 को प्रभारी निरीक्षक अमरजीत चौहान मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना कछवां क्षेत्र से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त बादल सिंह पुत्र रामनारायन निवासी गड़ौली करहरतारा थाना कछवां जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 308(5),61(2),351(2) बीएनएस व 67 आईटी एक्ट में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

थाना राजगढ़ पुलिस द्वारा चोरी के अभियोग से सम्बन्धित 02 अभियुक्त गिरफ्तार, 02 अदद बैट्री बरामद

भारत संवाद

थाना राजगढ, जनपद मीरजापुर पर वादी हरिशंकर यादव पुत्र केदाननाथ यादव निवासी बघौड़ा थाना राजगढ़ जनपद मीरजापुर द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादी के दरवाजे पर खड़े वाहनों के बेट्री चुराने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना राजगढ़ पर मु0अ0सं0-140/2025 धारा 303(2),317(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई।

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में थानाध्यक्ष राजगढ को अभियुक्तों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना स्थानीय पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में सुरागरसी पतारसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 03.08.2025 को थाना राजगढ़ पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 02 अभियुक्त 1. संजय पटेल पुत्र नरसिंह पटेल निवसी ग्राम ददरा थाना राजगढ़ जनपद मीरजापुर व 2. पह्लाद पटेल उर्फ सुरेन्द्र पटेल पुत्र शैल कुमार सिंह पटेल निवासी ग्रा दरवान थाना राजगढ़ जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 303(2),317(2) बीएनएस में गिरफ्तार किया गया व कब्जे से चोरी की 02 बेट्री बरामद की गयी। थाना राजगढ़ पुलिस द्वारा नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

माननीय केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने एक साथ तीन नई ट्रेनों की सौगात दी

भारत संवाद

- रीवा से हड़पसर (पुणे) एवं जबलपुर से रायपुर नई ट्रेन सेवा प्रारंभ
- मध्य प्रदेश से छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के यात्रियों को मिलेगी सीधी कनेक्टिविटी

जबलपुर । माननीय केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने पश्चिम रेलवे के भावनगर रेलवे स्टेशन से एक साथ तीन नई ट्रेनों की सौगात दी। भावनगर टर्मिनस से अयोध्या एक्सप्रेस, रीवा से पुणे (हड़पसर) साप्ताहिक सुपरफास्ट एवं जबलपुर से रायपुर इण्टरसिटी नई एक्सप्रेस रेल सेवाओं को माननीय रेल मंत्री द्वारा हरी झण्डी दिखाकर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल सहित राज्यों के माननीय मंत्रीगण, माननीय सांसदगण, माननीय विधायकगण , अन्य गणमान्य नागरिक तथा आमजन भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़कर सहभागी बने। इस अवसर पर केंद्रीय रेल मंत्री ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति हुई है। रेलवे में इन्फ्रास्ट्रक्चर को गति प्रदान करते हुए तेजी से कार्य निष्पादित हो रहे है जिससे प्रदेशों में अभूतपूर्व विकास हो रहा है।वर्तमान में रेलवे द्वारा यात्री सुविधाओं को विस्तारित करते हुए नई तकनिकी ट्रेनें जैसे वन्दे भारत, अमृत भारत, नमो भारत ट्रेनों को चलाया जा रहा है। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आगामी सितम्बर माह से वन्दे भारत स्लीपर ट्रेन भी चलाई जाएंगी, और साथ ही बहुत जल्द अहमदाबाद से मुंबई बुलेट ट्रेन की भी सौगात मिलेगी। श्री वैष्णव ने बताया कि मध्य प्रदेश में कई महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि रीवा पुणे ट्रेन रीवा, सतना, मैहर, कटनी, जबलपुर, नैनपुर, बालाघाट सहित मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों जहाँ से बड़ी संख्या में लोग पुणे महाराष्ट्र की ओर यात्रा करते हैं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। इसी प्रकार जबलपुर- रायपुर ट्रेन भी जबलपुर, नैनपुर, बालाघाट, गोंदिया सहित मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के यात्रियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी, जहाँ से बड़ी संख्या में लोग रायपुर छत्तीसगढ़ की ओर यात्रा करते हैं।

नई ट्रेन गाड़ी संख्या 01702 जबलपुर - रायपुर उद्घाटन शुभारंभ समारोह :-

जबलपुर रेलवे स्टेशन भी ट्रेन उद्घाटन शुभारंभ समारोह का साक्षी बना। इस कार्यक्रम के दौरान जबलपुर रेलवे स्टेशन से माननीय लोक निर्माण मंत्री मध्य प्रदेश शासन श्री राकेश सिंह, माननीया सांसद राजयसभा श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक, माननीय सांसद श्री आशीष दुबे, माननीय विधायक कैंट श्री अशोक रोहणी, माननीय विधायक पाटन श्री अजय विश्नोई, माननीय विधायक उत्तर डॉ. अभिलाष पाण्डेय, माननीय महापौर श्री जगत बहादुर सिंह, शहर के प्रतिष्ठित जनप्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में आमजन शामिल हुए।रेल प्रशासन की तरफ से महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय , प्रमुख मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री राजीव कुमार यादव और मण्डल रेल प्रबंधक श्री कमल कुमार तलरेजा सहित रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाया गया।

जिलाधिकारी ने बाढ़ से निपटने के लिए की गयी तैयारियों की समीक्षा की

जिलाधिकारी ने बाढ़ राहत केन्द्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित बनाये रखने के दिए निर्देश

- जिलाधिकारी ने सभी नोडल अधिकारियों एवं उपजिलाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में निरंतर भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाओं को बनाये रखने के दिए निर्देश

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा ने रविवार को सर्किट हाउस के सभागार में सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बाढ़ के सम्बंध में बैठक करते हुए सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। उन्होंने बाढ़ राहत केन्द्रों के नोडल अधिकारियों को वहां पर खाना, पानी, बिजली, साफ-सफाई सहित अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थायें चुस्त-दूरूस्त बनाये रखने के निर्देश दिए है। सभी उपजिलाधिकारियों एवं अन्य सम्बंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में निरंतर भ्रमणशील रहकर सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए है। उन्होंने नगर निगम को बाढ़ राहत केन्द्रों में सफाई कर्मियों की शिफ्टवार ड्यूटी लगाते हुए साफ-सफाई की निरंतर व्यवस्था बनाये रखने के निर्देश दिए है। इसी तरह से उन्होंने जिला पंचायतराज अधिकारी को ग्रामीण क्षेत्रों में साफ-सफाई की व्यवस्था बनाये रखने के लिए कहा है। उन्होंने बाढ़ राहत केन्द्रों पर पेयजल की व्यवस्था के साथ-साथ मोबाइल टॉयलेट की साफ-सफाई व सॅक्सन मशीन से नियमित अंतराल पर खाली कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को बाढ़ राहत केन्द्रों पर सभी आवश्यक दवाईयों सहित चिकित्सकों की टीम की व्यवस्था निरंरत बनाये रखने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने जिलापूर्ति अधिकारी से बाढ़ राहत केन्द्रों में भोजन, पानी की आपूर्ति समय से कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने अपर जिलाधिकारी आपूर्ति से सभी बाढ़ राहत केन्द्रों पर शिफ्टवार स्थायी रूप से अधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित करने के लिए कहा है। उन्होंने सभी बाढ़ राहत केन्द्रों पर खाने-पीने की व्यवस्था के साथ-साथ पशुओं के लिए भूसा-चारे की व्यवस्था भी सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सदर से बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में फंसे हुए ऐसे लोग जो बाढ़ राहत केन्द्र में नहीं आ रहे है, की जानकारी लेते हुए उन्हें फूड पैकेट व पानी की आपूर्ति करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ से प्रभावित गांवों में जहां पर सम्पर्क कट गया है और विस्थापन नहीं हुआ है, वहां पर सूखा राशन की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने सभी बाढ़ राहत शिविरों पर 24 घण्टे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह सहित अपर जिलाधिकारीगण एवं अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारीण उपस्थित रहे।

बीडीसी ने मरने से पहले लिखा सुसाइड नोट

महिला समेत 7 को मौत का जिम्मेदार बताया, वॉट्सऐप पर लिखा- मुझे राजनीति के तहत फंसाया

भारत संवाद

प्रयागराज, 'मुझे राजनीति के तहत फंसाया जा रहा है। इसमें एक महिला समेत 7 लोग शामिल हैं। यही लोग मेरी मौत के लिए जिम्मेदार होंगे। मेरे न रहने पर इन लोगों पर कार्रवाई की जाए।' यह सुसाइड नोट बीडीसी शिव शंकर पांडेय उर्फ दीपक पांडेय ने आत्महत्या करने से पहले वॉट्सऐप पर लिखा था। उन्होंने यह मैसेज लिखकर अपने दूसरे वॉट्सऐप नंबर पर भेजा था। चचेरे भाई ने उनका मोबाइल फोन ऑन किया तो उन्हें बीडीसी के मोबाइल पर दूसरे वॉट्सऐप नंबर पर यह मैसेज मिला। उन्होंने इस मैसेज को पुलिस को दिखाया। पुलिस ने बीडीसी के मोबाइल को जांच के लिए फोरेंसिक में भेजा है। जांच के बाद तय होगा कि मैसेज किसने और कब भेजा था। 29 जुलाई को उनके घर से सिर्फ 100 मीटर दूर रहने वाली महिला ने बीडीसी पर रेप करने के प्रयास के आरोप लगाए थे। वह यह बेइज्जती बर्दाश्त नहीं कर पाए। बीडीसी ने 30 जुलाई को खुद को लाइसेंसी पिस्टल से गोली मार ली। बीडीसी ग्राम प्रधान का चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे। जिस महिला ने आरोप लगाए, वो भी प्रधानी का चुनाव लड़ना चाहती थी। पुलिस ने सुसाइड के बाद महिला समेत 3 लोगों को अरेस्ट किया। 6 लोगों के खिलाफ एफआईआर लिखी गई। ये 30 जुलाई की है। बीडीसी के सुसाइड करने के बाद घर के अंदर महिला विलाप कर रही थी। परिवार की महिलाएं उसे संभालती हुई दिखी। ये 30 जुलाई की है। बीडीसी के सुसाइड करने के बाद घर के अंदर महिला विलाप कर रही थी। परिवार की महिलाएं उसे संभालती हुई दिखी। बीडीसी ने लिखा- मेरी मौत के बाद इन लोगों पर कार्रवाई करना बीडीसी पर 29 को महिला ने रेप करने के प्रयास के आरोप लगाकर थाने में तहरीर दी थी। इसी दिन शाम करीब 3 बजे उन्होंने अपने दूसरे वॉट्सऐप नंबर पर एक मैसेज भेजा।

जिलाधिकारी ने बाढ़ प्रभावित गांवो का भ्रमण कर किया निरीक्षण

मोटरबोट से जिलाधिकारी के निरीक्षण के दौरान डूब रहे व्यक्ति की स्वंय सहायता कर बचाई उसकी जान

- मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को शत प्रतिशत पशुओ का टीकारण कराने का दिया निर्देश
- पानी निकल जाने के उपरान्त फसलो का सर्वे कराते हुए दिलाया जाए उचित मुआवजा - पवन कुमार गंगवार

भारत संवाद

मीरजापुर , जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 अजय कुमार सिंह के साथ तहसील चुनार के बाढ़ प्रभावित ग्राम बगहीं, बेला व नगर क्षेत्र के लाल दरवाजा आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने ग्राम बेला पहुंचकर नाव से आने जाने वाले नागरिको से वार्ता तथा उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उप जिलाधिकारी चुनार द्वारा जिलाधिकारी को बताया गया कि चुनार क्षेत्रान्तर्गत अभी तक 82 गांव बाढ़ प्रभावित, आबादी व फसल प्रभावित 02 गांव, फसल व आवागमन प्रभावित 41, केवल फसल प्रभावित ग्राम 39 तथा छोटी नाव-15, मझुली नाव 10, बड़ी 05 व मोटरबोट 18 लगाई गई हैं। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि आवश्यतानुसार नाव व मोटरबोट की संख्या बढ़ाई जाए ताकि बाढ़ प्रभावित ग्रामवासियों को किसी प्रकार की कोई समस्या न होने पाए। उप जिलाधिकारी द्वारा बताया गया कि मेड़िया गांव के लोगो को राहत शिविर केन्द्र में पहुंचा दिया गया हैं, जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि राहत शिविर में रूके बाढ़ प्रभावित लोगो के रहने, खाने व सोने आदि में किसी प्रकार की कोई समस्या न आए इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उप जिलाधिकारी ने बताया कि इन ग्राम पंचायतो में लौकी, नेनुआ, मूगफली की अधिक खेती की जाती है, जिस पर जिलाधिकारी ने कहा कि पानी निकल जाने के उपरान्त फसलो का सर्वे कराते हुए उचित मुआवजा दिलाया जाए। जिलाधिकारी द्वारा स्वंय भी मोटरबोट से भ्रमण कर प्रभावित गांवो का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एक व्यक्ति पानी में डूब रहा था जिस पर जिलाधिकारी की नजर उस व्यक्ति पर पड़ते ही तत्काल अपनी मोटरबोट को घुमाकर उसके पास ले जाकर उसे बचाया गया। जिलाधिकारी के व्यक्ति से पूछे जाने पर उसने अपना नाम ओम प्रकाश उम्र लगभग 52 वर्ष बताया। जिलाधिकारी द्वारा ग्रामीणो से अपील की गई कि नाव व मोटरबोट का प्रयोग करे पानी ऐसे न जाए ऐसे पानी में जाने पर डूबने का खतरा बना रहता हैं। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय बगही में बने बाढ़ चौकी का निरीक्षण किया वहां की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली गई। जिलाधिकारी को बताया गया कि यहां पर तैनात चिकित्सक परीक्षा होने कारण आज नहीं आए है जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी से दूरभाष पर वार्ता कर तत्काल दूसरे चिकित्सक की तैनाती करने के साथ अवगत कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि बाढ़ से प्रभावित ग्रामों के ऐसे पशु जिनका अभी तक टीकाकरण नहीं हुआ है उनका टीकाकरण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने बाढ़ चौ की पर तैनात अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि लंच पैकेट व राहत सामग्री आदि का वितरण कराना सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी चुनार राजेश वर्मा, नायब तहसीलदार, ग्राम प्रधान रेशु पटेल सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस

जब हम पौधे लगाते हैं, तो धरती से मित्रता का एक पवित्र बीज भी बोते हैं : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

थीम, सेतु निर्माण-आइए, प्रकृति के साथ करें मित्रता का सेतु निर्माण

भारत संवाद

ऋषिकेश। अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस की इस वर्ष की थीम है सेतु निर्माण है जो यह प्रेरणा देती है कि मित्रता केवल व्यक्तियों के बीच नहीं, बल्कि संस्कृति, समुदाय, देश और प्रकृति के साथ भी एक आत्मीय संबंध बनाकर सहअस्तित्व की दिशा में बढ़ा जा सकता है। अन्तर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस पर आज जब विश्व एक ओर तकनीक और प्रगति की ऊँचाइयों को छू रहा है, वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक असंतुलन, जलवायु परिवर्तन, और पर्यावरणीय संकट जैसे मुद्दे मानवीय जीवन को चुनौती दे रहे हैं। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि हम केवल इंसानों के साथ ही नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ भी मित्रता का सेतु बनाएं। हमारी सनातन संस्कृति में प्रकृति केवल संसाधन नहीं, बल्कि माता है। अन्तर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस हमें यह अवसर देता है कि हम अपने जीवन के सबसे पुराने मित्र प्रकृति के साथ संबंधों को पुनः स्मरण करें, उसका संरक्षण करें और उसके साथ सामंजस्य स्थापित करें। सेतु निर्माण अर्थात केवल दो व्यक्तियों या समुदायों के बीच पुल बनाना नहीं है, बल्कि मानव और प्रकृति के बीच भी एक ऐसा भावनात्मक, व्यवहारिक और स्थायी पुल बनाना है जो हमें एक-दूसरे के पूरक बनाता है। स्वामी जी ने कहा कि जब हम पौधे लगाते हैं, तो हम केवल हरियाली नहीं बढ़ाते, बल्कि धरती से मित्रता का एक पवित्र बीज भी बोते हैं। यह बीज न केवल वृक्ष बनकर छाया, ऑक्सीजन और फल देता है, बल्कि यह हमारे भीतर प्रकृति के प्रति करुणा, संवेदना और जिम्मेदारी की भावना भी जाग्रत करता है। एक छोटा सा पौधा हमारे और धरती के बीच एक स्थायी संबंध का प्रतीक बन जाता है। यह हमें सिखाता है कि सच्ची मित्रता वह है जो निःस्वार्थ हो, जो जीवनदायिनी हो, और जो आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेम और सुरक्षा प्रदान करे। जब हम जल की बूँद बचाते हैं, तो हम नदियों से मित्रता निभाते हैं और जब हम प्लास्टिक मुक्त जीवन जीते हैं, तो हम वायु, जल और धरती तीनों के प्रति सम्मान प्रकट करते हैं। आईये आज मित्रता दिवस के अवसर पर एक पौधा अपने प्रिय मित्र के नाम पर लगाये। अपने मित्रों को पर्यावरण संवेदनशील उपहार बीज बम, पौधे या पुनः उपयोगी वस्तुएं दें। अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस पर आइए, प्रकृति के साथ भी सेतु बनाएं और जीवन को हरित मित्रता से जोड़ें। जहां सेतु होंगे, वहीं समरसता होगी। जहां समरसता होगी, वहीं शांति और समृद्धि होगी। आइए, मित्रता को एक नई दिशा दें एक ऐसी दिशा जो प्रेमपूर्ण संबंधों और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता से युक्त हो।

केंद्रीय मंत्री ने बाढ़ प्रभावित गांवो का भ्रमण कर बाढ़ से प्रभावित लोगों को सभी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने का संबंधित अधिकारियों को दिया दिशा निर्देश

भारत संवाद

मीरजापुर - मा0 केंद्रीय स्वास्थ्य परिवार कल्याण व रसायन उर्वरक राज्यमंत्री भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी ने बाढ़ प्रभावित ग्राम बेला व अन्य क्षेत्रों का भ्रमण किया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र नारायनपुर ब्लाक के गांवों का दौरा कर गंगा नदी से प्रभावित बाढ़ क्षेत्रों को देखा व स्थानीय बाढ़ पीड़ित लोगों से बात कर उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने बाढ़ आपदा से बचाव के लिए उपस्थित जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित लोगों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं के बारे में मा0 केंद्रीय मंत्री को विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर मा0 केंद्रीय मंत्री ने उपस्थित प्रेस प्रतिनिधियों से वार्ता के दौरान बताया कि बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है जलस्तर में वृद्धि हुई है पानी बढ़ने के कारण कई गांवों का मेरे द्वारा भ्रमण किया गया है जनता को किसी प्रकार की कोई समस्या ना हो इसलिए सभी व्यवस्थाएं मुहैया कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि आवागमन हेतु नाव, पानी निकालने के बाद कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, फसलों का सर्वे कराकर क्षति हुई फसलों का उचित मुआवजा प्रदान कराने आदि का भ्रमण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया तथा लोगों के खाने-पीने के साथ ही महिलाओं, पुरुषों के रहने की व्यवस्था का निरीक्षण कर उनके लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जा रही हैं। इस दौरान जिला अध्यक्ष इंजीनियर राम लौटन बिंद, राष्ट्रीय सचिव मेघनाथ पटेल, जिला महामंत्री भाजपा हरिशंकर सिंह पटेल, राष्ट्रीय सचिव युवा मंच दिव्यांशु पटेल उर्फ दीपू पटेल, का0 प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल सिंह, का0 प्रदेश उपाध्यक्ष आईटी मंच दुर्गेश पटेल, का0 प्रदेश सचिव पंचायत मंच राजेंद्र पटेल, पटेल, का0 प्रदेश सचिव सहकारिता मंच अरुणेश पटेल, का0 जिला अध्यक्ष युवा मंच उदय पटेल, जिला उपाध्यक्ष धनंजय सिंह पटेल, विधानसभा अभिभावक श्रीमती नमिता केसरवानी, विधानसभा अध्यक्ष वरुण पटेल, का0 जोन अध्यक्ष आलोक पटेल, हर्षित पटेल, मुकेश पटेल, मनीष पटेल, रवि शंकर पटेल, अभिषेक पटेल, राहुल ओझा, इंजीनियर वैभव कुमार, अजय पाठक, जिला मिडिया प्रभारी शंकर सिंह चैहान सहित स्थानीय पदाधिकारी उपस्थित रहें।

अतरौली के गांव नगला हरजी के बिना मान्यता प्राप्त स्कूल में 12th क्लास की मार्कशीट देकर छात्रों की जिंदगी से स्कूल स्टाफ द्वारा खिलवाड़

भारत संवाद

अलीगढ़ - उत्तर प्रदेश के अतरौली के ही गांव नगला हरजी में एक स्कूल करीब कई वर्षों से चल रहा है सबसे पहले स्कूल का नाम कल्याणकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय था उसके बाद कल्याणकारी पूर्व माध्यमिक विद्यालय फिर उसके बाद कल्याणकारी इंटर कॉलेज हुआ, वहीं पूर्व प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह गुप्ता जी जमनपुर वाले इनके पास स्कूल का चार्ज 2015 से था, इस स्कूल के जो व्यक्ति हैं वह सज्जन व्यक्ति हैं उस व्यक्ति का पूरा-पूरा फायदा उठाया है और इस व्यक्ति ने उनसे घपलाकर रखने के बाद अपना विद्यालय भी जमनपुर में बना लिया है अब स्कूल का चार्ज ज्ञान सिंह आर्य नगला हरजी निवासी ने ले लिया है, कल्याणकारी इंटर कॉलेज जो केवल 10th तक ही मान्यता प्राप्त है लेकिन वहीं स्कूल को 12th क्लास तक चलाया जा रहा है जो शिक्षा दी जा रही थी बो कल्याणकारी इंटर कॉलेज नगला हरजी से दी जाती थी लेकिन छात्रों की मार्कशीट को श्री

राजवीरसिंह कल्याणसिंह इंटर कॉलेज महका से दी जायज थी। तभी छात्रों की मार्कशीट को रोका गया तो मामला अतरौली कोतवाली तक पहुंचा जब मामला बढ़ने लगा तो स्कूल के नए प्रिंसिपल ज्ञान सिंह आर्य द्वारा बच्चों की मार्कशीट को सोमवार को देने का वादा कर दिया गया है।

महापौर ने किया पौने दो करोड़ के विकास कार्यों का शुभारंभ

वेद विहार, हिम्मतनगर और विनय विहार में होगा सड़कों का निर्माण और पार्क का सौंदर्यीकरण

भारत संवाद

सहारनपुर। नगर निगम सहारनपुर द्वारा शहर के विकास को गति देने के लिए अनेक वार्डो में विकास कार्यो को शुभारंभ किया गया। रविवार को वार्ड संख्या 25 के वेद विहार और वार्ड संख्या 39 के हिम्मतनगर एवं विनय विहार कॉलोनी में करीब पौने दो करोड़ की लागत से बनने वाली दो प्रमुख सड़कों एवं एक पार्क के सौंदर्यीकरण कार्य का महापौर डॉ. अजय कुमार ने नारियल फोड़कर और भूमि पूजन कर विकास कार्यों का विधिवत शुभारंभ किया।

इस अवसर पर महापौर डॉ. अजय कुमार ने कहा कि नगर निगम शहर के हर कोने में बुनियादी सुविधाओं को सशक्त करने के प्रति दृढ़ संकल्पित है। सड़कों के निर्माण से नागरिकों को जहां आवागमन में सुविधा मिलेगी, वहीं पार्क का सौंदर्यीकरण स्थानीय लोगों को स्वच्छ वातावरण, हरित और सुंदर सार्वजनिक स्थल प्रदान करेगा। महापौर ने क्षेत्र के लोगों को आश्वासन दिया कि सभी कार्यों को समयबद्ध, पारदर्शी और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाएगा, जिससे जनता को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त हो सके।

कार्यक्रम को नगर विधायक राजीव गुंबर, पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा, पूर्व विधायक जगपाल सिंह व पूर्व महानगर अध्यक्ष हेमंत अरोड़ा आदि ने भी सम्बोधित करते हुए योगी सरकार में शहर के बहुमुखी विकास का उल्लेख किया। इस अवसर पर अमित गगनेजा, पार्षद सोपिन पाल, पार्षद राजकुमार शर्मा, पार्षद कपिल धीमान, पार्षद राजू जाटव, पार्षद अनिल गर्ग, मंडल अध्यक्ष जोगिंदर लाल, मंडल अध्यक्ष अजय वशिष्ठ, पूर्व मंडल अध्यक्ष मनीष सचदेवा तथा वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील गुप्ता, शिवमंगल सिंह व गुरप्रीत बग्गा तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

फास्ट ट्रैक

पुलिस ने किया दो अभियुक्तों को गिरफ्तार

सहारनपुर। थाना जनकपुरी पुलिस द्वारा कानून एवं शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत दो अभियुक्तगण को गिरफ्तार किया गया। आज वादी शमीम अहमद पुत्र नसीम अहमद निवासी मौ. टाकान कस्बा व थाना गंगोह जनपद सहारनपुर द्वारा थाना जनकपुरी पर पंजीकृत कराये गये मुकदमे को लेकर अम्बेडकर चैक के पास वादी के साथ कुछ व्यक्ति थाने मे रिपोर्ट लिखाने को लेकर आमदा फसाद हो रहे थे । एसएसपी के निर्देशन में जनपद में अपराध का रोकथाम व वांछित, वारण्टी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे गिरफ्तारी अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय के निकट पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक जनकपुरी संजीव कुमार के कुशल नेतृत्व में आज थाना जनकपुरी पुलिस टीम द्वारा चैकिंग व गश्त के दौरान अभिषेक पुत्र देवेन्द्र सिंह निवासी साई धाम कालोनी थाना कोतवाली देहात जनपद सहारनपुर, नमन शर्मा पुत्र नवीन कुमार शर्मा निवासी हिम्मत नगर थाना सदर बाजार जनपद सहारनपुर को अन्तर्गत धारा 170/126/135 बी0एन0एस0एस0 मे गिरफ्तार किया गया।

एक वारंटी पुलिस के हत्थे चढ़ा

सहारनपुर। थाना नानौता पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एसएसपी के निर्देशन में अपराध नियंत्रण एवं आपराधिक घटनाओं की रोकथाम व वांछित, वारण्टी अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी गंगोह के निकट पर्यवेक्षण मे तथा थाना प्रभारी धर्मेन्द्र कुमार के कुशल नेतृत्व में आज को मुखबिर की सूचना पर थाना नानौता पुलिस टीम द्वारा चैकिंग व गश्त के दौरान 01 वारण्टी अभियुक्त फिरोजा पुत्र इलियास नि0 मौहल्ला चाहमंजली कोट कस्बा व थाना नानौता जनपद सहारनपुर को सम्बन्धित वाद संख्या 2536/22 मु0अ0सं0 349/21 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट में मौ0 चाहमंजली से गिरफ्तार किया गया।

अवैध चाकू सहित धरा

सहारनपुर। थाना कोतवाली नगर पुलिस एक शातिर को अवैध चाकू सहित गिरफ्तार कर चालान करके जेल भेज दिया। एसएसपी के निर्देशन में अपराध की रोकथाम व अवैध अस्लाह रखने वाले अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर एवं क्षेत्राधिकारी नगर प्रथम के निकट पर्यवेक्षण मे तथा प्रभारी निरीक्षक को0नगर सुनील नागर के कुशल नेतृत्व में आज दिनांक 03.08.2025 को मुखबिर की सूचना पर थाना कोतवाली नगर पुलिस टीम द्वारा चैकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन के दौरान 01 शातिर अभियुक्त रोहित पुत्र बाबूराम निवासी बातीपुरवा पस्का बाजार थाना परसपुर जनपद गोण्डा को अवैध चाकू सहित नगर निगम कूडाघर, निकट खुमरान पुल से गिरफ्तार किया गया। बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर थाना कोतवाली नगर पर मु0अ0सं0- 148/25 धारा- 4/25 आर्म्स एक्ट के पंजीकृत किया गया। पुलिस टीम में एसआई राजकुमार गौतम, मुख्य आरक्षी आजाद सिंह, नीरज कुमार शामिल रहे।

अवैध स्मैक सहित एक गिरफ्तार

सहारनपुर। थाना नकुड़, सहारनपुर पुलिस द्वारा नशीले पदार्थ की तस्करी करने वाले एक नशा तस्कर अभियुक्त गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 50 ग्राम अवैध स्मैक बरामद की। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में चालान कर जेल भेज दिया। एसएसपी के निर्देशन में नशीले पदार्थो की तस्करी/बिक्री की रोकथाम व नशे के कारोबार में लिप्त अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी नकुड़ के निकट पर्यवेक्षण मे तथा प्रभारी निरीक्षक नकुड़ अविनाश गौतम के कुशल नेतृत्व मे दिनांक 03.08.2025 को मुखबिर की सूचना पर थाना नकुड़ पुलिस टीम द्वारा गस्त व चैकिंग के दौरान 1 नशा तस्कर अभियुक्त खुर्शीद पुत्र अल्लारक्खा निवासी ग्राम सिरसला थाना नकुड़ जनपद सहारनपुर को 50 ग्राम अवैध स्मैक सहित जिन्दा हसन के बाग में स्थित पीर की मजार के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना नकुड़ पर मुअसं 272/25 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के पंजीकृत किया गया। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक नकुड अविनाश गौतम, एसआई विकास चारण, सचिन कुमार, मोटी चैधरी, योगेश कुमार शामिल रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के आगमन को लेकर प्रशासनिक तैयारियाँ तेज

डीएम-एसएसपी ने की उच्चस्तरीय बैठक, स्थलीय निरीक्षण भी किया

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): प्रदेश के मा० मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के आगामी 5 अगस्त को प्रस्तावित अलीगढ़ दौरे को लेकर प्रशासन ने तैयारियाँ तेज कर दी हैं। जिला मजिस्ट्रेट संजीव रंजन एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन द्वारा नगर आयुक्त, मुख्य विकास अधिकारी एवं अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस व विकास से जुड़े अधिकारियों के साथ कलैक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। जिला मजिस्ट्रेट ने बताया कि मा० मुख्यमंत्री जी जिले में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं मंडलीय अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे और नुमाइश मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास भी करेंगे, साथ ही संचालित लाभार्थीपरक योजनाओं के

अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से प्रमाण-पत्र व लाभ सामग्री भी वितरित करेंगे।मुख्यमंत्री जी के आगमन के लिए हैलीपैड का निर्माण आईटीआई मैदान में किया जा रहा है। बैठक के उपरांत डीएम व एसएसपी ने संबंधित अधिकारियों के साथ नुमाइश मैदान एवं आईटीआई ग्राउंड का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की और मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि अभी मा0 मुख्यमंत्री जी का मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम प्राप्त नहीं हुआ है।बैठक एवं निरीक्षण के दौरान प्रमुख रूप से डीएफओ नवीन प्रकाश, नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा, एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट, एडीएम प्रशासन पंकज कुमार, एडीएम वित्त प्रमोद कुमार, एडीएम न्यायिक अखिलेश कुमार, एसपी सिटी मृगांक पाठक, एसपी ट्रैफिक, सीएमओ डॉ. नीरज त्यागी, संयुक्त आयुक्त उद्योग बीरेंद्र कुमार, नगर मजिस्ट्रेट अतुल गुप्ता, परियोजना निदेशक डीआरडीए भालचन्द त्रिपाठी, डीडीओ आलोक आर्य, डीसी एनआरएलएम मंजू त्रिवेदी, उप निदेशक कृषि अरुण कुमार, जिला कृषि अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार सिंह, एआरटीओ प्रवेश कुमार, डीएसओ सत्यवीर सिंह, डीपीआरओ यतेन्द्र सिंह, एसीएम दिग्विजय सिंह एवं विनीत मिश्रा, पीओ डूडा कौशल कुमार, सीवीओ डॉ दिवाकर त्रिपाठी, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी संजीव पुष्कर, डीएसटीओ ए.के. दीक्षित, एडी सूचना संदीप कुमार सहित सभी खण्ड विकास अधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री आगमन को तैयारियां जोरों पर, प्रशासन अलर्ट

भारत संवाद

सहारनपुर। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 4 अगस्त को सहारनपुर दौरे पर हैं जहां मुख्यमंत्री सुबह 10.30 बजे सहारनपुर पहुंचेगें और 2.40 बजे तक जनपद में रहेंगे। इस दौरान वह विकास कार्यों और धार्मिक पर्यटन योजनाओं की मंडलीय समीक्षा करेंगे। इस बैठक में शामली और मुजफ्फरनगर के अधिकारी ऑनलाईन शामिल होंगे। जब कि सहारनपुर के अधिकारी बैठक में उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री सहारनपुर में गोगा म्हाड़ी पर मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेंगे। वह वहीं पर स्थित अमृत सरोवर का लोकार्पण करेंगे और जनमंच में विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास करेंगे। कमिश्नर अटल कुमार राय, जिलाधिकारी मनीष बंसल, नगर निगम के नगरायुक्त शिपू गिरि, सहारनपुर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष संतोष कुमार राय ने स्थलीय निरीक्षण किये। मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान पुलिस के कड़े सुरक्षा बंदोबस्त रहेंगे। मुख्यमंत्री सरकारी जहाज से सरसावा हवाई अड्डे पर पहुंचेंगे जहां से वह हैलीकाप्टर से सहारनपुर

पुलिस लाइन उतरेंगे। जनप्रतिनिधियों द्वारा उनका स्वागत किया जायेगा। कमिश्नर अटल कुमार राय के मुताबिक शांकुभरी देवी में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए प्रदान की जाने वाली योजनाओं की मुख्यमंत्री समीक्षा करेंगे। साथ ही वह मुजफ्फरनगर के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल शुक्रताल में घाटों के निर्माण, भागवत कथा हाल और दूसरी निमार्णाधीन योजनाओं की जानकारी प्राप्त करेंगे।

बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि : स्कूली वाहनों की फिटनेस एवं सुरक्षा की होगी कड़ी निगरानी

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): जिलों में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर शासन स्तर से जारी निदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से आयुक्त अलीगढ़ मण्डल, श्रीमती संगीता सिंह ने मण्डल के सभी जिलों में स्कूल बसों एवं वैन की फिटनेस, परमिट तथा सुरक्षा मानकों की नियमित और सघन निगरानी के निर्देश दिए हैं। आयुक्त ने स्पष्ट कहा है कि बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि एक से 15 जुलाई तक स्कूली वाहनों पर चले विशेष अभियान की समीक्षा उपरांत आयुक्त ने समस्त जिलाधिकारियों, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों एवं आरटीओ अधिकारियों को निर्देशित किया है कि प्रत्येक स्तर पर स्कूली वाहनों की फिटनेस, चालक की पृष्ठभूमि जांच, जीपीएस, अग्निशमन यंत्र, प्रथम उपचार किट जैसी सुरक्षा व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा की जाए।आयुक्त ने कहा कि यह जिम्मेदारी सभी सम्बंधित विभागों की है, अतः आपसी समन्वय के साथ मासिक विद्यालय वाहन परिवहन सुरक्षा समिति की बैठकें अनिवार्य रूप से कराई जाएं। इसके साथ ही, समय-समय पर अभिभावकों से भी फीडबैक लेकर वाहनों की स्थितियों की निगरानी की जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि यदि कोई वाहन बिना फिटनेस अथवा न्यूनतम सुरक्षा मानकों के विपरीत संचालित पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध उत्तर प्रदेश मोटरयान नियमावली (26वां संशोधन) 2019 के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने साफ किया कि बच्चों की सुरक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अडिग है। प्रत्येक अधिकारी यह सुनिश्चित करे कि स्कूली वाहन पूर्णतया सुरक्षित हों।

7वीं जिला योगना चैम्पियनशिप का आयोजन

भारत संवाद

सहारनपुर। आज सातवीं सहारनपुर जिला योगासन चैंपियनशिप का आयोजन स्थानीय जेवी जैन कॉलेज सहारनपुर में आयोजित किया गया आज सर्वप्रथम प्रतियोगिता का उद्घाटन सेंट मैरीएस एकेडमी के मैनेजर फादर जॉन ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया इस अवसर पर बोलते हैं उन्होंने कहा कि हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योग को लेकर जो एक अपना दृष्टिकोण अपनाया था उसको हमारे देश के युवा योग के रूप में भली-भांति अपना रहे हैं आज इस तरह से छोटे-छोटे बच्चे योग में अपना प्रदर्शन दे रहे हैं और इसमें भाग ले रहे हैं यह अपने आप में काबिले तारीफ है आज इस प्रतियोगिता के दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में वेट लिफ्टिंग संघ के श्री अशोक सक्सेना क्रीड़ा भारती के जिला संयोजक अनुज रोहिल्ला एथलीट के कोच लाल धर्मेंद्र प्रताप पार्षद श्री गौरव कपिल हैंडबॉल एसोसिएशन के संयुक्त सचिव अरविंद कुमार अमित कपिल श्री अमित चैधरी प्रदीप त्यागी पुष्पेंद्र विनय जॉर्ज ज्वेल आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे निर्णायक की भूमिका में जयदीप राठौर सुश्री आकांक्षा श्रीमती निधि श्रीमती शोभा श्रीमती सीमा श्री दिव्य श्रीमती प्रीति गर्ग अमित तथासुमित आदि ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

विकृत चेहरे वाले बच्चों की सर्जरी कैंप का आयोजन

भारत संवाद

सहारनपुर। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3080 के अंतर्गत, रोटरी क्लब सहारनपुर कांटिनेंटल द्वारा 3 अगस्त 2025 को एक और सफल क्लेफ़्ट लिप एवं पैलेट सर्जरी कैंप का आयोजन रोटरी भवन, सहारनपुर में किया गया। क्लब वर्ष 2011 से यह समाजसेवी कार्य निरंतर कर रहा है और अब तक 1500 से अधिक बच्चों का सफल ऑपरेशन हो चुका है।आज के कैंप में कुल 26 बच्चों की स्क्रीनिंग जॉली ग्रांट से आए डॉ दीपक द्वारा की गई, जिनमें से 18 बच्चों को ऑपरेशन के लिए उपयुक्त पाया गया और उन्हें हिमालयन हॉस्पिटल, जॉली ग्रांट, देहरादून भेजा गया।डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन रवि प्रकाश, पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन सरदार राजपाल सिंह तथा महापौर डॉ. अजय सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने क्लब की सेवाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे प्रोजेक्ट समाज को जागरूक और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।डॉ. अजय सिंह ने कहा कि यह जन्मजात विकृति अब चिकित्सा के माध्यम से पूरी तरह से ठीक की जा सकती है। ऑपरेशन के पश्चात बच्चों का चेहरा और आत्मविश्वास दोनों संवर जाते हैं। क्लब द्वारा न केवल बच्चों का इलाज बल्कि उनके परिजनों के आवागमन, आवास, भोजन आदि की पूरी व्यवस्था निःशुल्क की जाती है।अध्यक्ष बाली ठाकुर ने कहा कि यह एक ऐसा अभियान है जो न केवल एक शारीरिक विकृति को ठीक करता है, बल्कि एक बच्चे के पूरे जीवन में एक सुंदर स्मृति के रूप में जुड़ जाता है। हम सभी को मिलकर इस प्रयास में सहयोग करना चाहिए ताकि कोई भी बच्चा इलाज से वंचित न रह जाए।

डबल इंजन की सरकार से महिलाओं का मोहभंग: सुखविन्द्र कौर

भारत संवाद

सहारनपुर। महानगर कांग्रेस कार्यालय पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष संदीप राणा की अध्यक्षता में कांग्रेस संगठन सृजन कार्यक्रम में कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष चन्द्र जीत सिंह निक्कू व कांग्रेस की नगर विधानसभा प्रत्याशी रही। श्रीमति सुखविंदर कौर के संयोजन में सैकड़ो दलित समाज की महिलाओं ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित पूर्व विधायक सुरेंद्र कपिल जी ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से महिलाओं को सम्मान देने का काम किया है। एनी बेसेंट से लेकर इंदिरा गांधी, सोनिया गांधी, प्रतिभा पाटिल, मीरा कुमार, अंबिका सोनी, मारग्रेट अल्वा, प्रियंका गांधी, इसके उद्धारहण है । जिला अध्यक्ष संदीप सिंह राणा व महानगर अध्यक्ष मनीष त्यागी ने कहा कि इन महिलाओं के आने से ये साबित हो गया कि डबल इंजन की सरकार से महिलाओं का मोह भंग हो गया। सभी का स्वागत करते हुए उन्होंने मातृ शक्ति को विश्वास दिलाया कि उनके सम्मान की लड़ाई संगठन लड़ेगा और संगठन में महिलाओं को विशेष सम्मान और जिम्मेदारी दी जाएगी। चंद्र जीत सिंह निक्कू और सुखविंदर कौर ने कहा कि जिस प्रकार भाजपा से जुड़े धमार्चार्य महिलाओं और बेटियो का चरित्र हनन कर रहे है यह घोर निंदनीय है और इस पर भाजपा की खामोशी इस बात का सबूत है की इन नेताओं को उनके संगठन और भाजपा नेताओं का आशीर्वाद प्राप्त है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल बंद करने और दलितों, पिछड़ो व अल्पसंख्यक समुदाय के वोट पूरे भारत में काटे जाने की भाजपाई नीति का हम डटकर मुकाबला करेंगे और पीड़ितों को न्याय मिले यह सुनिश्चित करेंगे ।

आज शामिल होने वालो में रीता, गिरीश के अलावा सरदार अमनदीप सिंह, नीतू सिंह, राजदुलारी, पूजा, सुनील, मोना, अनिता, रूबी, रामदासी, रेखा, जगवती, ऊषा देवी, भगवती, अरुणा, मोनिका, रंजू, पिंकी, रीमा, ज्योति, सुषमा, कविता, शिवकुमार, गंगा राम, भोज राज, बाबू राम, जसवंत सिंह, हुक्म सिंह, सोनू, अमित आदि शामिल रहे ।

शातिर चोर गिरफ्तार चोरी किया सामान बरामद

भारत संवाद

सहारनपुर। थाना बेहट पुलिस द्वारा चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसकी निशानदेही पर चोरी के आभूषण, एक सिलेण्डर व कुल 8550 रुपए नकद व 01 अवैध चाकू बरामद भी बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार 20 मई को वादी सद्दाम पुत्र मोहसीन नि0 ग्राम ईश्हाकपुर चैंची थाना बेहट सहारनपुर की लिखित तहरीर बाबत अज्ञात व्यक्तियों द्वारा वादी के भाई के घर से नगदी व जेवरात चोरी कर ले जाने की सूचना के सम्बन्ध में थाना बेहट पर मुकदमा पंजीकृत किया गया तथा 26 मई को वादी मौ. वाजिद पुत्र सईद नि. ग्राम ईश्हाकपुर चैंची थाना बेहट जनपद सहारनपुर की लिखित तहरीर बाबत अज्ञात व्यक्ति द्वारा वादी के घर में चोरी हो जाने की सूचना पर थाना बेहट पर मुकदमा पंजीकृत कराया।एसएसपी के निर्देशन में नकबजनी/ चोरी की घटनाओ की रोकथाम व नकबजन, चोर, अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं क्षेत्राधिकारी बेहट के निकट पर्यवेक्षण मे तथा प्रभारी निरीक्षक बेहट सतपाल सिंह भाटी के नेतृत्व में 2 एवं 3 की अगस्त की रात्रि में मुखबिर की सूचना पर थाना बेहट पुलिस द्वारा मुकदमों में चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए एक शातिर नकबजन/अभियुक्त अहकाम पुत्र जमशेद नि. ग्राम लोधीपुर थाना बेहट जनपद सहारनपुर को बेहट ग्राम नादराना के जंगल से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे/निशानदेही पर 01 जोडी पायल व 01 जोडी चुक्टी सफेद धातु व 3175 रुपए नकद व 01 जोडी पायल सफेद धातु, 1 सिलेण्डर इण्डियन व 5375/- रुपए नकद (थाना बेहट पर पंजीकृत मु0अ0सं0- 215/25 से सम्बन्धित) व 1 अवैध चाकू बरामद।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

सावन में शिवलिंग पर चढ़ाएं ये 3 तेल, सुख-सौभाग्य का मिलेगा वरदान

हिंदू धर्म में सावन का महीना सुख-सौभाग्य का कारक माना जाता है। अगर आप शिवलिंग की पूजा कर रहे हैं भोलेनाथ को कुछ ऐसे तेल हैं, जो चढ़ाने से उत्तम परिणाम मिल सकते हैं। सावन का पवित्र महीना भगवान शिव को समर्पित है। इस दौरान शिव भक्त उनकी कृपा पाने के लिए अनेक प्रकार से पूजा-अर्चना करते हैं। सावन में शिवलिंग पर जल चढ़ाने का विशेष महत्व है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ विशेष तेलों को शिवलिंग पर अर्पित करने से सुख-सौभाग्य और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है? ऐसे ही 3 तेलों के बारे में विस्तार से जानते हैं, जिन्हें सावन में शिवलिंग पर चढ़ाना अत्यंत शुभ माना जाता है।

शिवलिंग पर चढ़ाएं तिल का तेल

हिंदू धर्म में तिल का तेल अत्यंत पवित्र माना जाता है। इसे विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों और पूजा-पाठ में उपयोग किया जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, तिल की उत्पत्ति भगवान विष्णु के शरीर से हुई है, इसलिए इसे अत्यंत शुभ माना जाता है। वहीं, भगवान शिव को तिल और तिल से बनी चीजें अर्पित करना विशेष फलदायी माना गया है। माना जाता है कि सावन के महीने में भगवान शिव धरती पर ही वास करते हैं और अपने भक्तों की मनोकामनाएं पूरी करते हैं। इस दौरान शिवलिंग पर तिल का तेल चढ़ाने से कई प्रकार के रोग, दोष और कष्टों से मुक्ति मिलती है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता का संचार करता है।

शिवलिंग पर चढ़ाएं चंदन का तेल

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, चंदन का संबंध चंद्रमा और शुक्र ग्रह से है। चंदन का तेल चढ़ाने से कुंडली में इन ग्रहों की स्थिति मजबूत होती है, जिससे जीवन में सुख-समृद्धि आती है और मानसिक शांति मिलती है। इसलिए आप सावन के महीने में शिवलिंग पर चंदन का तेल चढ़ाने से उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

शिवलिंग पर चढ़ाएं सरसो का तेल

आर्थिक समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए भी सावन में सरसों का तेल अर्पित करना अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है। धन-धान्य में वृद्धि के लिए यह एक प्रभावी उपाय है। जो लोग कर्ज में डूबे हुए हैं या आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, उन्हें नियमित रूप से शिवजी पर सरसों का तेल चढ़ाना चाहिए। इससे धन लाभ के नए मार्ग खुलते हैं और धीरे-धीरे आर्थिक स्थिति सुधरने लगती है। अगर घर में लगातार क्लेश रहता है या परिवार के सदस्यों के बीच सामंजस्य की कमी है, तो सावन में शिवलिंग पर सरसों का तेल चढ़ाने से गृह क्लेश दूर होता है और परिवार में सुख-शांति आती है।

10 तरह के होते हैं शिवलिंग, सबकी अलग तरह से होती है पूजा और मिलता है अलग फल

सावन का महीना भगवान शिव का महीना होता है। इस महीने में भगवान शिव की पूजा अराधना कर उनके भक्त उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश करते हैं। इतना ही नहीं बहुत सारे भक्त जब तक सावन का महीना चालता है तब तक वह रोज शिवलिंग की पूजा करते हैं और उस पर बेल पत्र आदि चढ़ाते हैं।

ऐसी मान्यता है कि सावन के पवित्र महीने में भगवान शिव की पूजा, व्रत और शिवलिंग पर जल व बेल पत्र चढ़ाने से भक्तों की मनोकामना पूरी होती है। मगर, क्या आपको पता है कि किस शिवलिंग की पूजा कैसे करनी चाहिए। जी हां, आप सही समझ रही हैं। शिवलिंग के कई प्रकार होते हैं। हर शिवलिंग अलग तरह का फल देता है और उसकी पूजा का तरीका क्या होता है। आपको बता दें कि शिव पुराण में 10 तरह के शिवलिंग बताए गए हैं।

पारद शिवलिंग

अगर आप सावन के महीने में रद्राभिषेक करवाना चाहती हैं तो आपको पारद शिवलिंग का अभिषेक करवाना चाहिए। अगर आप पारद शिवलिंग का रुद्राभिषेक करवाती हैं तो आपके जीवन में हमेशा सुखशांति बनी रहेगी। इतना ही नहीं महिलाएं अगर इस शिवलिंग की पूजा करती हैं तो उनको सौभाग्य प्राप्त होगा। आपको बता दें कि यह शिवलिंग बेहद छोटे होते हैं और आप इन्हें अपने घर, ऑफिस, दुकान में रख सकती हैं। इस शिवलिंग को स्थापित करने से पहले इसकी पूजा जरूर करें।

मिश्री शिवलिंग

चीनी या मिश्री से बने शिवलिंग को मिश्री शिवलिंग कहा जाता है। अगर आपके घर में किसी की तबियत खराब है तो आपको रोजाना मिश्री से बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे रोगी का रोग दूर होता है।

जौं और चावल के शिवलिंग

अगर आप चाहती हैं कि आपके घर में समृद्धि आए तो आपको इसके लिए जौं और चावल से बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। अगर

आप बहुत समय से संतान के लिए प्रयास कर रही हैं तब भी आपको जौं और चावल से बनें शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

भस्म शिवलिंग

उज्जैन में बने महाकालेश्वर मंदिर में जो शिवलिंग है उसकी भस्म आरती फेमस है। मगर यज्ञ की भस्म से बनी शिवलिगं की भी पूजा होती है। यह शिवलिंग अधिकतर अघोरी बाबा लोग सिद्धियों को प्राप्त करने के लिए बनाते हैं। घर में भस्म से बने शिवलिंग की पूजा कभी भी नहीं करनी चाहिए।

गुड़ के शिवलिंग

जैसे चीनी के शिवलिंग होते हैं वैसे ही गुड़ और अन्न को मिला कर भी शिवलिंग बनाए जाते हैं। अगर आप चाहती हैं कि आपके घर में कभी अन्न की कमी न हो या आपके खेत में खूब अन्न उपजे तो आपको हमेशा गुड़ और अन्न के बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

फल और फूल के बने शिवलिंग

फल और फूल से भी शिवलिंग बनाए जा सकते हैं। अगर आपको प्रॉपर्टी से जुड़ी कोई समस्या सता रही है तो आपको फल और फूल से बने शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे आपकी प्रॉपर्टी से जुड़ी समस्या दूर हो जाएगी।

सोने या चांदी के शिवलिंग

वैसे ऐसा कम ही देखा गया है कि कोई सोनी या चांदी क बने शिवलिंग पूजा करता हो। मगर आपको अपने घर में वैभव चाहिए तो आपको सोने और चांदी के शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए।

मिट्टी के शिवलिंग

अगर आप किसी ऐसे स्थान पर रहती हैं या आपकी कुंडली में किसी विषैले जानवर के काटने का दोष है तो आपको मिट्टी के शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे आप भय मुक्त होंगी।

दही के शिवलिंग

सुनकर आपको आश्चर्य हो रहा होगा मगर दही के शिवलिंग भी बन जाते हैं। इसके लिए दही को कपड़े में बांध कर आपको रखना होगा और फिर उसके शिवलिंग बनाने होंगे इससे आपको धन की प्राप्ति होगी।

लहसुनिया शिवलिंग

अगर आपका कोई शत्रु है और वह आपको परेशान कर रहा है तो उसे नष्ट करने के लिए आप लहसुनिया शिवलिंग की पूजा करनी चाहिए। इससे आपकी सारी मनोकामना पूरी होती हैं।

मानसिक शांति के लिए सावन में जरूर करें इस शिवलिंग की पूजा

हिंदू धर्म में सावन महीने में शिवलिंग पूजा का विशेष विधान है। इस दिन ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति की सभी परेशानियां दूर हो सकती है। हिंदू धर्म में सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित, हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माना जाता है। यह वह समय है जब प्रकृति शिवमय हो जाती है और भक्त अपने आराध्य को प्रसन्न करने के लिए विभिन्न अनुष्ठानों में लीन रहते हैं। इन्हीं में से एक विशेष अनुष्ठान है स्फटिक शिवलिंग की पूजा। स्फटिक, जिसे क़ार्ट्ज भी कहते हैं। इससे बने शिवलिंग की पूजा का शास्त्रों में विशेष महत्व बताया गया है। स्फटिक को देवी लक्ष्मी और भगवान शिव दोनों से जोड़ा जाता है। अब ऐसे में अगर किसी जातक को बार-बार समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही मानसिक परेशानियां हो रही है तो आइए इस लेख में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से स्फटिक शिवलिंग की पूजा-अर्चना करने की विधि और नियम के बारे में विस्तार से जानते हैं।

स्फटिक शिवलिंग की पूजा किस विधि से करें?

- पूजा स्थल को अच्छी तरह साफ करें।
- शिवलिंग को साफ जल या कच्चे दूध से धोकर शुद्ध करें।
- एक साफ, लाल या सफेद कपड़े पर या तांबे या पीतल की थाली में शिवलिंग को स्थापित करें।
- पूजा की शुरुआत गणेश जी की पूजा से करें, क्योंकि किसी भी शुभ कार्य से पहले उनकी पूजा अनिवार्य है।
- स्फटिक शिवलिंग पर पंचामृत जैसे कि कच्चा दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल का मिश्रण से अभिषेक करें। अभिषेक करते समय ऊं नमः शिवाय मंत्र का कम से कम 108 बार जाप करें।
- अभिषेक के बाद शिवलिंग को साफ कपड़े से पोंछ लें।
- शिवलिंग पर बेलपत्र, फूल, चंदन, धूप और दीप अर्पित करें।
- आखिर में, आरती करें और भगवान शिव से अपनी मनोकामनाएं पूर्ण करने की प्रार्थना करें।

स्फटिक शिवलिंग की पूजा करने के नियम

- शिवलिंग को हमेशा घर के ईशान कोण में स्थापित करें। ध्यान रहे कि शिवलिंग का मुख उत्तर दिशा की ओर हो।
- घर में रखे जाने वाले शिवलिंग का आकार अंगूठे के पहले पोर से बड़ा नहीं होना चाहिए। बहुत बड़े शिवलिंग मंदिर में स्थापित किए जाते हैं।
- स्फटिक शिवलिंग पर प्रतिदिन दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल से अभिषेक करें। अभिषेक करते समय ऊं नमः शिवाय मंत्र का जाप करते रहें।
- अभिषेक के बाद शिवलिंग को साफ कपड़े से पोंछें और उस पर बेलपत्र, धतूरा, आक के फूल और चंदन अर्पित करें।
- स्फटिक शिवलिंग की पूजा घर का कोई भी सदस्य कर सकता है। यह घर के वास्तु दोषों को दूर करने में सहायक होता है।
- घर में एक से अधिक शिवलिंग न रखें।

स्फटिक शिवलिंग की पूजा करने का महत्व

स्फटिक शिवलिंग की पूजा घर में सुख-शांति और समृद्धि लाती है। यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता का संचार करता है। जिन घरों में अक्सर कलह या आर्थिक परेशानियां रहती हैं, वहां स्फटिक शिवलिंग की स्थापना और पूजा विशेष रूप से लाभकारी मानी जाती है। यह धन आगमन के नए द्वार खोलता है और कर्ज मुक्ति में भी सहायक होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, स्फटिक शिवलिंग की पूजा से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है, जिससे मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और आरोग्य की प्राप्ति होती है। यह ग्रह दोषों को शांत करने और बुरी शक्तियों से रक्षा करने में भी मदद करता है।

सावन के महीने में 5 पौधे लगाने से दूर होगी तंगी, जमकर बरसेगा पैसा

सावन का महीना भगवान शिव को समर्पित होता है, जहाँ भक्त शिवलिंग पर प्रार्थना करते हैं और व्रत रखते हैं। घर पर शुभ पौधे उगाने सहित सार्थक अनुष्ठानों के माध्यम से दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए यह महीना पवित्र और शक्तिशाली माना जाता है।

सावन के दौरान कुछ पौधों को लगाना होता है शुभ सावन का महीना इस साल 9 अगस्त 2025 तक रहेगा। यह महीना भगवान शिव को बहुत प्रिय है। इस दौरान भक्त आराधना, व्रत, उपवास और आध्यात्मिक साधना कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। भारत में सावन के दौरान भक्त श्रद्धा, भक्ति और प्रकृति से जुड़ते हैं। सावन के पवित्र महीने में भक्त उपवास रख शिवलिंग पर जल चढ़ाकर प्रभु को प्रसन्न करने की कोशिश करते हैं। भक्त सावन के महीने में पौधों को घर में लगाकर ईश्वर की कृपा पा सकते हैं। वास्तु के अनुसार कुछ पौधों को घर में सावन के दौरान लगाना बहुत शुभ माना गया है। ये पौधे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। माना जाता है कि इन पौधों से घर में सुख-समृद्धि आती है। आइए जानते हैं कि सावन में कौन से 5 पौधे घर में लगाना शुभ रहेगा...

बेल का पेड़ (बेल पत्र)

बेल वृक्ष भगवान शिव को बहुत प्रिय है। इसकी त्रिपत्री पत्तियां शिवलिंग पर भी चढ़ाई जाती हैं। सावन के महीने में घर में बेल का पौधा लगाने से आर्थिक तंगी दूर होती है। घर में खुशियां आती हैं। वास्तु के अनुसार यह पौधा घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है।

तुलसी का पौधा

तुलसी को सीधे शिव को अर्पित नहीं किया जाता है, लेकिन इसको मां लक्ष्मी का रूप माना जाता है। सावन में तुलसी का पौधा लगाकर पूजा करने से घर में सुख, समृद्धि और मानसिक शांति बनी रहती है।

शमी का पौधा

शमी वृक्ष को शिव और शनि दोनों का प्रिय माना गया है। सावन में शमी का पौधा लगाना शनि दोष से मुक्ति और घर में शांति का प्रतीक होता है। यह आर्थिक मजबूती भी लाता है। नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करता है।

आक का पौधा (मदार)

आक का सफेद फूलों वाला पौधा भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। सावन में इसे घर में लगाने और इसकी पत्तियां शिवलिंग पर चढ़ाने से इच्छाएं पूरी होती हैं। इसे लगाना शुभ माना जाता है, जिससे धन और सफलता की प्राप्ति होती है।

धतूरा का पौधा

धतूरा, कांटेदार फल वाला पौधा, शिव के पूजन में प्रमुख स्थान रखता है। सावन में धतूरा चढ़ाने से शिवजी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इसे घर में लगाने से शत्रुओं पर विजय, धन की वृद्धि और ईश्वरीय सुरक्षा का अनुभव होता है।

रूस के कामचटका में 600 साल बाद ज्वालामुखी फटा

6 किमी ऊंचाई तक राख का गुबार फैला; यहां दुनिया का छठा बड़ा भूकंप आया था

एजेंसी

मॉस्को, रूस के कामचटका में 600 साल बाद क्रशेनिनिकोव ज्वालामुखी में पहली बार विस्फोट हुआ।

कामचटका के इमरजेंसी मंत्रालय ने रविवार को बताया कि 2 अगस्त को इस ज्वालामुखी में विस्फोट हुआ। मंत्रालय ने कहा- 1856 मीटर ऊंचे क्रशेनिनिकोव ज्वालामुखी में विस्फोट के बाद 6 हजार मीटर की ऊंचाई तक राख का गुबार फैल गया।' इसके चलते इस इलाके का एयर स्पेस बंद कर दिया गया।

वैज्ञानिकों का मानना है कि इस विस्फोट का संबंध 4 दिन पहले रूस के कामचटका आइलैंड में आए 8.8 तीव्रता के भूकंप से हो सकता है। इससे पहले बुधवार को कामचटका प्रायद्वीप पर स्थित क्ल्यूचेव्स्काया सोपका ज्वालामुखी में भी विस्फोट हुआ था।

सोपका ज्वालामुखी यूरोप और एशिया में सबसे एक्टिव ज्वालामुखी है। यह दोनों ज्वालामुखी विस्फोट रूस के जिस इलाके में हुए हैं, वह रिंग ऑफ फायर के पास मौजूद है। रिंग ऑफ फायर ऐसा इलाका है जहां कई कॉन्टिनेंटल के साथ ही ओशियनिक टेक्टोनिक प्लेट्स भी हैं। ये प्लेट्स आपस में टकराती हैं तो भूकंप आता है, सुनामी उठती है और ज्वालामुखी फटते हैं। दुनिया के 90% भूकंप इसी रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में आते हैं। यह क्षेत्र 40 हजार किलोमीटर में फैला है। दुनिया में जितने सक्रिय ज्वालामुखी हैं, उनमें से 75% इसी क्षेत्र में हैं। 15 देश इस रिंग ऑफ फायर की जद में हैं।

कितने देशों में है रिंग ऑफ फायर का असर? जापान, रूस, फिलिपींस, इंडोनेशिया, न्यूजीलैंड, अंटार्कटिका, कनाडा, अमेरिका, मैक्सिको, ग्वाटेमाला, कोस्टा रिका, पेरू, इक्वाडोर, चिली, बोलिविया।

जुलाई में कामचटका में 6 ताकतवर भूकंप आए

बुधवार का आया भूकंप दुनिया का छठा सबसे शक्तिशाली भूकंप था। इसके बाद रूस, अमेरिका, जापान और चिली समेत कई देशों ने सुनामी की चेतावनी जारी की थी। जापान ने अपने फुकुशिमा परमाणु रिएक्टर को खाली करा लिया था और टोक्यो में करीब 20 लाख लोगों को घर खाली करने का आदेश दिया गया था। जुलाई में ही कामचटका के पास समुद्र में 6 शक्तिशाली भूकंप आए थे। इनमें से दूसरे सबसे बड़े भूकंप की तीव्रता 7.4 थी। भूकंप का केंद्र जमीन से 20 किलोमीटर की गहराई में था। 4 नवंबर 1952 को कामचटका में 9 तीव्रता का भूकंप आया था। इससे कई इलाकों में 9.1 मीटर ऊंची लहरें उठी थी, हालांकि इसके बादजूद किसी की मौत नहीं हुई थी।

खालिस्तान विरोधी एक्टिविस्ट की अमेरिका में मौत

खालिस्तानी समर्थकों से धमकियां मिल रही थीं, पुलिस जांच में जुटी

एजेंसी

वॉशिंगटन डी सी, कैलिफोर्निया में रहने वाले भारतीय-अमेरिकी व्यवसायी और खालिस्तानी विचारों के विरोधी सुखी चहल की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई है। उनके करीबी दोस्त जसपाल सिंह ने शनिवार को बताया कि 31 जुलाई को सुखी को एक परिचित ने अपने घर डिनर पर बुलाया था। डिनर के बाद अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जसपाल ने बताया कि सुखी पूरी तरह स्वस्थ थे, और उनकी अचानक मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सुखी खालिस्तानी तत्वों की कड़ी आलोचना

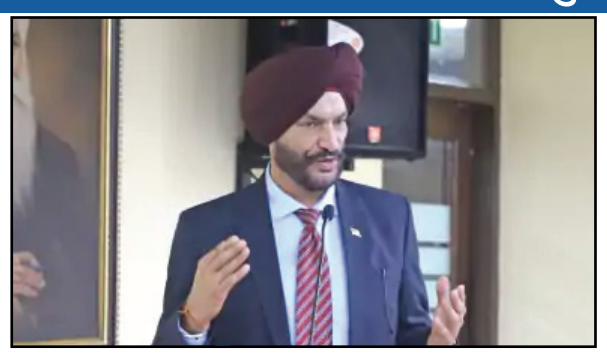

करते थे और 17 अगस्त को वाशिंगटन डीसी में होने वाले खालिस्तान रेफरेंडम (जनमत संग्रह) का खुलकर विरोध कर रहे थे। 'द खालसा टुडे' के संस्थापक और सीईओ सुखी को खालिस्तानी समर्थकों से लगातार धमकियां मिल रही थीं। फिर भी, वे अपनी बात पर अडिग रहे। उनके परिचित बूटा सिंह कलेर ने कहा कि उनकी मौत से भारत समर्थक समुदाय में शोक की लहर है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है, और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से सच सामने आएगा। सुखी भारतीय प्रवासियों को अमेरिका के कानूनों का पालन करने और अपराध से दूर रहने की सलाह देते थे। हाल ही में उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा था, 'अमेरिका में कानून का पालन जरूरी है। अपराध करने पर वीजा रद्द हो सकता है और वापसी मुश्किल हो सकती है।' सुखी चहल का जन्म भारत के पंजाब के मानसा जिले में हुआ था। वे 1992 में अमेरिका चले गए। उन्होंने 1988 से 1992 तक लुधियाना के गुरु नानक इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ाई की और पेशे से कंप्यूटर इंजीनियर थे। उन्होंने स्टैनफोर्ड और यूसी बर्कले में कंप्यूटर और प्रबंधन से जुड़े विशेष कोर्स भी किए। सुखी ने सिलिकॉन वैली की कई कंपनियों में वरिष्ठ प्रबंधन, इंजीनियरिंग और सलाहकार के रूप में काम किया। वे 2015 से कैलिफोर्निया की गैर-लाभकारी संस्था पंजाब फाउंडेशन के संस्थापक और अध्यक्ष थे, जो गरीब बच्चों को शिक्षा के लिए समर्थन देती है। चहल द खालसा टुडे के संस्थापक और अध्यक्ष भी थे। सुखी सामाजिक रूप से बहुत सक्रिय थे और उन्होंने हिंदू, सिख और यहूदी समुदायों के बीच एकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। द खालसा टुडे के मुताबिक वे भारत सरकार और अमेरिकी व्यापारिक नेताओं के साथ मिलकर भारत-अमेरिका के बीच मजबूत रणनीतिक संबंधों को बढ़ावा देने में सक्रिय थे। ब्रिटेन ने 31 जुलाई को जारी एक रिपोर्ट में भारत को 12 दमनकारी देशों की सूची में शामिल किया, जिसमें खालिस्तानी संगठनों का जिक्र किया गया।

इजराइली मंत्री ने अल-अक्सा मस्जिद परिसर में प्रार्थना की

यह इस्लाम की तीसरी सबसे पवित्र मस्जिद, यहां यहूदियों के प्रार्थना करने पर रोक

एजेंसी

तेल अवीव, इजराइल के सुरक्षा मंत्री इतामार बेन-ग्विर ने रविवार को यरुशलम में अल-अक्सा मस्जिद के कैंपस में जाकर प्रार्थना की। एक यहूदी संगठन ने इसका वीडियो जारी किया, जिसमें ग्विर कुछ लोगों के साथ मस्जिद कैंपस में घूमते और प्रार्थना करते नजर आए। मक्का और मदीना के बाद अल-अक्सा इस्लाम की तीसरी सबसे पवित्र मस्जिद है। नियमों के मुताबिक, यहूदी लोग यहां जा सकते हैं, लेकिन प्रार्थना नहीं कर सकते। सोशल मीडिया पर विवाद बढ़ता देख इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ये नियम नहीं बदले हैं और न ही बदलेंगे। बेन-ग्विर का यह दौरा 'तिशा बाव' के दिन हुआ, इस दिन यहूदी लोग प्राचीन मंदिरों के तबाही की याद में उपवास करते हैं। बेन-ग्विर ने कहा कि उन्होंने गाजा में हमास के खिलाफ इजराइल की जीत और बंधकों की रिहाई के लिए प्रार्थना की। उन्होंने गाजा पर पूरी तरह कब्जा करने की मांग भी दोहराई। इस परिसर की देखभाल करने वाली संस्था ने बताया कि बेन-ग्विर सहित 1,250 लोग वहां गए और कुछ ने प्रार्थना की, नारे लगाए और डांस किया। वहीं, फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास के प्रवक्ता नबील अबू रुदैन ने इस दौरे की निंदा की और इसे सारी हदें पार करने वाला बताया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय, खासकर

अमेरिका से दखल देने और गाजा युद्ध रोकने की मांग की। अल-अक्सा मस्जिद येरुसलम में स्थित है। जॉर्डन की एक धार्मिक संस्था इस मस्जिद कैंपस को संभालती है। 1967 में इजराइल जंग के बाद जॉर्डन और इजराइल के बीच एक समझौता हुआ था। इसमें तय हुआ था कि अल-अक्सा मस्जिद के भीतर के मामलों पर जॉर्डन के इस्लामिक वक्फ ट्रस्ट का कंट्रोल रहेगा और बाहरी सुरक्षा इजराइल संभालेगा। ऐसे में कई बार सुरक्षा को लेकर इजराइल की पुलिस मस्जिद में घुस जाती है। इससे जंग जैसे हालात हो जाते हैं। जॉर्डन और इजराइल के बीच समझौते में इस बात पर भी सहमति बनी थी कि गैर-मुस्लिमों को मस्जिद के अंदर आने की इजाजत होगी, लेकिन उनको वहां प्रार्थना करने की इजाजत नहीं होगी। बेन-ग्विर इजराइल के सबसे विवादित नेताओं में एक हैं। वे इजराइल की धुर दक्षिणपंथी पार्टी रिलिजियस जिओनिस्ट से ताल्लुक रखते हैं। बेन-ग्विर कट्टरपंथी यहूदी नेता माएर कहाने की काहानिस्ट विचारधारा को मानते हैं। बेन-ग्विर, मीर कहाने को धर्मात्मा मानते हैं। उनकी काहानिस्ट विचारधारा का मानना है कि इजराइल में गैर यहूदियों को मतदान तक का अधिकार नहीं होना चाहिए। बेन-ग्विर 2021 में पहली बार इजराइली संसद नीसेट के सदस्य बने। वे हमेशा से फिलिस्तीनियों से शांति वार्ता करने के खिलाफ रहे हैं। वे उन इजराइली सैनिकों को लीगल माफी देना चाहते हैं, जो फिलिस्तीनियों को गोली मारने के दोषी पाए गए हैं। बेन-ग्विर 25 नवंबर 2022 को इजराइल के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री बने थे। बाद में, उन्होंने जनवरी 2025 में गाजा युद्धविराम समझौते के विरोध में इस्तीफा दे दिया, लेकिन मार्च 2025 में फिर से मंत्री पद पर नियुक्त हो गए।

ट्रम्प ने 194 दिनों में अपने ही 34 फैसले पलटे

टैरिफ पर ऐलान कर 28 बार पीछे हटे; फैसले लेते, पर टिकते नहीं

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को सत्ता में आए 194 दिन ही हुए हैं, लेकिन उनका यह कार्यकाल उथल-पुथल और यू-टर्न से भरा नजर आ रहा है। सबसे ज्यादा अस्थिरता टैरिफ नीतियों में दिखी है। अब तक ट्रम्प टैरिफ से जुड़े 28 फैसलों पर यू-टर्न ले चुके हैं। ट्रम्प प्रशासन ने अब तक रिकॉर्ड 178 एग्जीक्यूटिव ऑर्डर साइन किए हैं, यानी हर एक दिन लगभग एक नया आदेश दिया है। इनमें से 34 फैसले ऐसे हैं जो

खुद ट्रम्प ने पलटे हैं। उदाहरण के तौर पर, रिसर्च फंडिंग पर रोक के आदेश को महज 3 दिन में ही पलटा गया। गैस और ऊर्जा क्षेत्र में दी गई राहतों को वापस लेने के फैसले पर भी दो हफ्ते बाद यू-टर्न ले लिया। अवैध प्रवासियों पर क्रैकडाउन से लेकर, टैरिफ और एलजीबीटीक्यू के अधिकारों तक, ट्रम्प ने अपने आदेशों से कई बार यू-टर्न लिया है। ट्रम्प के यू-टर्न के चलते सबसे ज्यादा भ्रम इंडस्ट्री वर्ल्ड में है। इन फैसलों की तेजी और विरोधाभास का नतीजा यह है कि अदालतों में ट्रम्प प्रशासन के आदेशों के खिलाफ केस की बाढ़ आ गई है। अमेरिका की संघीय अदालतों पर अचानक फैसला-पलटने और कानूनी विरोध का दबाव बढ़ गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रम्प ने 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' के नाम पर जो फैसले लिए, उन पर यू-टर्न लेकर प्रशासन को उलझन और जनता को भ्रम की स्थिति में डाल दिया है। ट्रम्प के बिना सोचे-समझे लिए फैसलों पर कोर्ट भी सख्त है। कोर्ट अब तक ट्रम्प प्रशासन के आदेशों के खिलाफ दायर याचिकाओं में 200 से ज्यादा मामलों पर स्टे लगा चुका है। इनमें से अधिकांश केस में संघीय अदालतों ने हस्तक्षेप कर नीतियों को असंवैधानिक या जल्दबाजी में लिया गया पाया। उदाहरण के तौर पर बर्थ-राइट सिटिजनशिप को समाप्त करने की कोशिश पर कई फेडरल जजों ने तत्काल रोक लगा दी। इसे 14वें संशोधन के उल्लंघन के रूप में रोका।

कांग्रेस के डीएनए में तानाशाही भरी :अनिल विज

आतंकवाद की नींव उसी ने रखी, लोकतंत्र बचाने के लिए बीजेपी जान लगा देगी

एजेंसी

अंबाला , हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन और श्रम मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जिस तरह भारत की जनता ने अंग्रेजों के शासन को हराकर प्रजातंत्र स्थापित किया, उसी तरह अब भाजपा उस प्रजातंत्र की रक्षा के लिए अपनी जान लगा देगी। विज मीडिया से बातचीत के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने को लेकर जवाब दे रहे थे। विज ने राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि राहुल को झूठ बोलने की आदत है और कांग्रेस ने देश की संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ एक साजिशन जेहाद छेड़ रखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कभी राहुल गांधी ईडी, सीबीआई और अदालतों पर सवाल उठाते हैं और अब चुनाव आयोग को लेकर एटम बम जैसी भाषा इस्तेमाल कर रहे हैं। विज ने कहा कि ये सारी संस्थाएं लोकतंत्र के मजबूत स्तंभ हैं, लेकिन कांग्रेस उन्हें गिराकर देश में तानाशाही लाना चाहती है क्योंकि कांग्रेस के डीएनए में तानाशाही भरी हुई है। उस वक्त आम नागरिकों के मौलिक अधिकार छीन लिए गए थे, प्रेस पर सेंसरशिप थोप दी गई थी और विपक्षी दलों के करीब डेढ़ लाख नेताओं और कार्यकताओं को जेल में डाल दिया गया था। विज ने

विज बोले- पुश्तों तक चलता है डीएनए

हरियाणा के मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस पर हमला तेज करते हुए कहा कि कांग्रेस के डीएनए में तानाशाही है और यह गुण पीढ़ियों तक चलता है। उन्होंने याद दिलाया कि 1975 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाकर साबित कर दिया था कि कांग्रेस कैसे काम करती है।

कहा कि यही कांग्रेस की सोच है और इसी तानाशाही प्रवृत्ति को आज भी पार्टी आगे बढ़ा रही है।

देश में आतंकवाद की जन्मदाता कांग्रेस

विज ने कहा कि देश में आतंकवाद की असली जन्मदाता कांग्रेस पार्टी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने ही धर्म के आधार पर देश का बंटवारा करवाया, जबकि महात्मा गांधी ने साफ कहा था कि देश का बंटवारा मेरी लाश पर होगा। विज के अनुसार, कांग्रेस ने इस चेतावनी को नजरअंदाज कर बंटवारे की नींव रखी, जिससे करीब 10 लाख लोगों की जान गई और करोड़ों को अपना घर छोड़कर पलायन करना पड़ा। उन्होंने कहा कि इसी विभाजन के कारण पाकिस्तान की दुश्मनी की जड़ें पड़ीं, जो आज तक जारी है। विज ने कहा कि कांग्रेस ने कश्मीर में धारा 370 लगा दी। कश्मीर में धारा 370 लगने के बाद आतंकवाद उपजा और कांग्रेस ने अपने 55 साल के कार्यकाल में आतंकवाद को खत्म करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की। जबकि हमारी भाजपा सरकार ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया।

केशव प्रसाद मौर्य का सपा प्रमुख पर विवादित बयान, बोले- 'अखिलेश यादव मानसिक...'

विपक्ष की तरफ से उठाए गए सवालों पर उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने तीखी प्रतिक्रिया दी है.

प्रदेश में बाढ़ हालातों पर विपक्ष की तरफ से उठाए जा रहे सवालों पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पलटवार करते हुए अखिलेश यादव को विक्षिप्त बताया है.

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के कई जिले इन दिनों भारी बारिश की वजह से बाढ़ की चपेट में हैं, वहीं विपक्ष बाढ़ की तैयारियों को लेकर प्रदेश सरकार की तैयारियों पर सवाल उठा रहा है. विपक्ष की तरफ से उठाए गए सवालों पर उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार तीखी प्रतिक्रिया दी है. इसके साथ ही उन्होंने पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर को लेकर बड़ा बयान दिया है.

केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव पर पलटवार करते हुए कहा, अखिलेश यादव मानसिक विक्षिप्त हो गए हैं, प्रकृति से कौन लड़ सकता

है, लेकिन सरकार और भाजपा के कार्यकर्ता बाढ़ पीड़ितों की हर संभव मदद और सेवा में जुटे हैं. सरकार और भाजपा की सेवा से जनता संतुष्ट है. केशव प्रसाद मौर्य ने आगे कहा, अखिलेश यादव एंड कंपनी सिर्फ बयानबाजी में माहिर है. सपा की अखिलेश यादव जी की सरकार के समय बाढ़ राहत का पैसा और सामग्री भ्रष्टाचारी सपाई गुंडे अपराधी खा जाते थे, जनता ये भूली नहीं है. डिप्टी सीएम ने कहा, सपा कुछ भी कर ले, 2047 तक सपा सरकार असंभव है. जनता भाजपा के साथ थी, है और रहेगी.

'भगवा कभी नहीं हो सकता आतंकवादी'

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर के बयान कहा, प्रज्ञा ठाकुर ने क्या कहा, इस पर नहीं बोलना लेकिन कांग्रेस के काले कारनामे उजागर हुए हैं. आतंकवाद का रंग नहीं होता, देश के दुश्मन होते हैं. साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को फंसाया गया था .न्यायालय ने साबित कर दिया है कि भगवा कभी भी आतंकवादी नहीं हो सकता. ये विखंडित करने वाले लोगों की मंडली है.

मणिशंकर अय्यर के बयान पर किया पलटवार

इसके अलावा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर की ओर से पहलगाम आतंकी हमले पर की जा रही बयानबाजी पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, उनको सबको पागलपन का दौरा है. हमारी सेना ने अपने लड़ाकू विमानों की ताकत दिखा दी. उन्होंने कांग्रेस को पाकिस्तान का बिछड़ा भाई-बहन बताया है.

ग्रेनाइट खदान में चट्टान गिरने से ओडिशा के 6 मजदूरों की मौत, 8 अन्य घायल

आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में ग्रेनाइट खदान में चट्टान गिरने से छह मजदूरों की मौत हो गई. सभी ओडिशा के रहने वाले थे.

एजेंसी

अमरावतीः आंध्र प्रदेश के बापटला जिले में रविवार को एक खदान में ग्रेनाइट की बड़ी चट्टान गिरने से छह प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई और 8 अन्य घायल हो गए. यह हादसा रविवार सुबह लगभग 10:30 बजे जिले के बल्लीकुरवा के पास सत्यकृष्ण ग्रेनाइट खदान में हुआ, जब 16 मजदूर खदान के अंदर खनन कार्य में लगे हुए थे. इसके बाद खनन विभाग के अधिकारियों के साथ पुलिस के साथ घटनास्थल पर तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया. अधिकारियों ने बताया कि ग्रेनाइट खदान का किनारा ढहने से छह लोगों की मौत हो गई. सभी पीड़ित ओडिशा

के रहने वाले हैं. घटनास्थल पर बचाव कार्य जारी है. अब तक 4 शव बरामद किए जा चुके हैं. गंभीर रूप से घायल 8 मजदूरों को बेहतर इलाज के लिए नरसारावपेट अस्पताल भेजा गया है. डॉक्टरों ने बताया कि इनमें से कई की हालत गंभीर है. पुलिस अधिकारी ने बताया कि संदेह है कि पानी के रिसाव के कारण चट्टान धंस गई. फोरेंसिक टीमें जांच कर रही हैं. उन्होंने आगे कहा कि कोई विस्फोट या भूकंपीय गतिविधि नहीं हुई. अधिकारियों का मानना है कि खदान प्रबंधन ने कोई सुरक्षा उपाय नहीं किए थे

यूपी में बारिश से 24 घंटे में 12 की मौत, गले तक पानी पिता के हाथ में नवजात

प्रयागराज के गोविंदपुर में बाढ़ में की गाड़ी फंस गई। जवानों ने ट्रैक्टर से खींचकर गाड़ी को बाहर निकाला। गोविंदपुर के कैलाशपुरी इलाके में एक युवक ने पानी की टंकी को काटकर नाव बना दिया। इसी बीच सांसद संजय सिंह ने पर वीडियो शेयर किया।

एजेंसी

उत्तर प्रदेश ,यूपी में बाढ़ से हालात अब बिगड़ने लगे हैं। प्रयागराज, काशी

मंत्री बोले- एमपी में बारिश से यूपी में बाढ़; 40 शहरों में बारिश, अस्पताल डूबा

समेत 14 जिलों में बाढ़ आई हुई है। सीएम योगी ने बाढ़ से राहत-बचाव के लिए मंत्रियों की स्पेशल टीम-11 बनाई है। योगी ने कहा- मंत्री तत्काल अपने प्रभावित जिलों में ग्राउंड जीरो पर उतरें। मंत्री रात में भी अपना जिला नहीं छोड़ेंगे। वाराणसी और प्रयागराज में गंगा का पानी एक लाख से अधिक घरों में घुस गया है। श्मशान घाट डूब गए हैं। सड़कों पर नावें चल रही हैं। काशी में हजारों लोगों ने घर छोड़ दिया है। यहां गंगा का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर चुका है। दोपहर 12 बजे गंगा

का जलस्तर 71.66 मीटर रिकॉर्ड किया गया, जबकि यहां खतरे का निशान 71.26 मीटर है। ऐसे में गंगा खतरे से 40 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है इसमें एक महिला और पुरुष नवजात बच्चे को बचाने के लिए जान जोखिम डालकर जाते नजर आ रहे। दोनों खुद गले तक पानी में डूबे हैं। पुरुष नवजात बच्चे को हाथों से ऊपर उठाए हुए है। सांसद ने लिखा- ये न्यू इंडिया है। ये धार्मिक नगरी प्रयागराज है। यहां मासूम बच्चे को मां-बाप नाले से लेकर जाते हैं। पीलीभीत के सांसद और केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद की गाड़ी कीचड़ में फंस गई। ट्रैक्टर से खींचकर बाहर निकाला गया। भदोही में बारिश से हाईवे डूब गया। महाराजा बलवंत अस्पताल के वार्डों में पानी भर गया। रायबरेली, लखनऊ, प्रतापगढ़ समेत 40 जिलों में सुबह से रुक-रुक बारिश जारी है। प्रतापगढ़ इतनी बारिश हुई है कि कोतवाली में पानी घुस गया है। लखीमपुर खीरी में नदी से निकलकर मगरमच्छ सड़क पर आ गया। सिंघाई थाने के पास मौजूद लोगों ने जब उन्हें देखा तो घबरा गए। इसके बाद वन विभाग को सूचना दी गई। वन विभाग के पहुंचने से पहले मगरमच्छ भाग गया। शनिवार की बात करें तो 49 जिलों में औसतन 5.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक बारिश कन्नौज में 51.3 मिमी और कासगंज में 45.3 मिमी हुई। मौसम विभाग ने आज 71 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें से 7 जिलों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट है।